Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-13 01-15 जुलाई, 2022 (पाक्षिक) ₹20

'योग ने हमें जोड़ने का काम किया है'

आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

'योग जीवन जीने का तरीका बन गया है'

भाजपानीत एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को बनाया राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार

ग्राम पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष समावेश, चित्रदुर्ग (कर्नाटक)

'भाजपा को जानें' अभियान : राजनयिकों के साथ संवाद

नई दिल्ली में 24 जून को राजग के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग के अन्य नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली में 21 जून को भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य माननीय सदस्यगण

चित्रदुर्ग (कर्नाटक) में 18 जून को 'ग्राम पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष समावेश' कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 जून को भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में भारत में मिशन प्रमुखों (राजदूतों/उच्चायुक्तों) के साथ बातचीत की

गांधी नगर (गुजरात) में 12 जून को आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय सह-महामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश ने 13 जून को 'कमल पुष्प अभियान' के सदस्यों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनसंघ की प्रेरक कहानियों का संग्रह प्रस्तुत किया

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 योग हमें शांति देता है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मैसूर पैलेस ग्राउंड में योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैसुरु जैसे आध्यात्मिक केंद्रों ने जिस योग-ऊर्जा को सदियों से पोषित किया, आज वह योग-ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को दिशा दे रही है। आज योग वैश्विक सहयोग का...

09 भाजपानीत एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को बनाया राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार

भाजपानीत एनडीए ने 21 जून, 2022 को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति पद की...

10 गरीब से गरीब व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा कवच मिलना चाहिए: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 जून, 2022 को...

26 'भाजपा को जानें' अभियान : 13 देशों के राजनयिकों के साथ संवाद

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने 'भाजपा को जानें (Know BJP)' अभियान के चौथे चरण में 11 जून...

30 बैंगलुरु देश के लाखों युवाओं के लिए सपनों का शहर है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून को बेंगलुरू में 27,000 करोड़ रुपये से...

वैचारिकी

समष्टि का सामूहिक स्वरूप / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 18

श्रद्धांजलि

राष्ट्रीयता के उद्घोषक डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी 20

लेख

मेरी मां जितनी सरल हैं, उतनी ही असाधारण हैं / **नरेन्द्र मोदी** 22

एमसी 12: भारत के लिए अनुकूल परिणाम / **विकास आनन्द** 25

अन्य

असम में भाजपा ने केएएसी की सभी 26 सीटें जीतीं
कांग्रेस नहीं खोल पायी खाता 12

'भाजपा मणिपुर को शांतिपूर्ण और
प्रगतिशील राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध' 13

अग्निपथ योजना 14

प्रधानमंत्री ने अगले डेढ़ साल में 10 लाख लोगों की
भर्ती का दिया निर्देश 16

कैबिनेट ने आईएमटी/5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी को दी मंजूरी 17

'साइबर सुरक्षा के बिना भारत के विकास की कल्पना करना
संभव नहीं' 21

'भारत की आजादी में अनगिनत लोगों की 'तपस्या' शामिल है' 24

प्रगति मैदान एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना राष्ट्र को समर्पित 28

'आज नया भारत अपनी प्राचीन पहचान को गर्व से जी रहा है' 29

'भाजपा कार्यकर्ता विकासवाद को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें' 31

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के फैसले 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

21वीं सदी के भारत के विकास के लिए महिलाओं का तेज विकास और सशक्तीकरण जरूरी है। मैं अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे माताओं-बहनों-बेटियों की इतनी सेवा करने का अवसर मिला है।

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई 'पीएम स्वनिधि योजना' से रेहड़ी-पटरी वालों को न केवल रोजगार मिल रहा है, बल्कि इस कल्याणकारी योजना से लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं व्यक्तिगत जीवन में बड़ा बदलाव भी देखने को मिल रहा है। इस योजना से महिलाएं आजीविका कमा रही हैं। घर खर्च में अपना योगदान भी निभा रही हैं।

अमित शाह

आज डिजिटल क्रांति के युग में साइबर सुरक्षा के बिना देश के विकास की कल्पना करना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह

डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग जगत को ओडिशा के चांदीपुर तट से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण के लिए बधाई। यह सफलता हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी।

बी.एल. संतोष

ऐसे तीन मौके आए जब एनडीए के हिस्से के रूप में भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को चुनने का अवसर मिला है। तीनों अवसरों पर समावेशी, विविधता का सम्मान करते हुए छोटे शहरों और स्वयं निर्मित व्यक्तियों को चुना गया। जब आप किसी विचार से प्रेरित होते हैं तो वह आपके चयन में भी दिखता है।

नितिन गडकरी

4 साल देश की सेवा के बाद अग्निवीरों को मिलेंगे नए अवसर। योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा की गई विभिन्न घोषणाओं से युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

संपादकीय

देश एक नई ऊर्जा एवं संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है

विश्व भर में 21 जून, 2022 को आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। आज विश्व में योग स्वस्थ एवं सुखी जीवन चाहने वाले करोड़ों लोगों के जीवन का अंग बन चुका है। कोविड-19 महामारी के दौर में जब लोग अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे थे, हताशा में डूबी मानवता को योग से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हुई। वैश्विक महामारी के इस विपरीत दौर में आयुर्वेद एवं योग जैसे भारत के पारंपरिक ज्ञान की पूंजी से स्वास्थ्य रक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली के साथ-साथ मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर भी लोगों का ध्यान गया। ध्यान देने योग्य है कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल का ही परिणाम है कि 177 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र संघ ने दिसंबर, 2014 में '21 जून' को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। 21 जून, 2015 को पूरे विश्व ने पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और इस वर्ष 2022 में आठवां योग दिवस मनाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा कि योग हमारे जीवन का अंग नहीं, बल्कि जीवन पद्धति बन चुका है।

> **अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों एवं गरीबी के दंश का सामना करते हुए श्रीमती द्रौपदी मुर्मू संघर्ष, अदम्य साहस, त्याग एवं समर्पण भरे जीवन का प्रतिनिधित्व करती हैं। निर्वाचित होने पर वे देश की पहली जनजातीय एवं दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी**

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को भाजपानीत एनडीए की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी की घोषणा का पूरे देश में स्वागत हुआ है। सार्वजनिक जीवन में अनेक दायित्वों का निर्वहन करते हुए वह गरीब एवं वंचित वर्गों के लिए प्रतिबद्ध रही हैं। दशकों की अपने राजनीतिक यात्रा में उन्होंने अनेक सांगठनिक दायित्वों पर रहते हुए ओडिशा विधानसभा में विधायक के रूप में निर्वाचित हुईं एवं राज्य सरकार में मंत्री पद को भी सुशोभित किया है। वर्ष 2007 में उत्कृष्ट विधायक के रूप में 'नीलकंठ पुरस्कार' प्राप्त श्रीमती द्रौपदी मुर्मू झारखंड की प्रथम महिला राज्यपाल के रूप में देश में अपनी एक महत्वपूर्ण पहचान रखती हैं। उनका कार्यकाल विराट उपलब्धियों से भरा हुआ है। अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों एवं गरीबी के दंश का सामना करते हुए वे संघर्ष, अदम्य साहस, त्याग एवं समर्पण भरे जीवन का प्रतिनिधित्व करती हैं। निर्वाचित होने पर वे देश की पहली जनजातीय एवं दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी। राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में उनका स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी प्रशासनिक दक्षता, नीतियों की गहरी समझ एवं संवेदनशीलता से देश को भारी लाभ होगा। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि उनका राष्ट्र के प्रति महत्वपूर्ण योगदान है और विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुभव का देश को लाभ मिलेगा।

देश में युवाओं, महिलाओं, गरीबों, किसानों, मजदूरों एवं वंचित वर्गों के लिए अनेक नये अवसरों को उपलब्ध कराते हुए व्यवस्था में व्यापक सुधार के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध रही है। 'अग्निपथ' एक ऐसी ही योजना है जिससे सेना में व्यापक सुधार होगा, नई ऊर्जा का प्रवाह होगा एवं देश के युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण होगा। अपने चार वर्षों के सेवा में 'अग्निवीर' देश के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए तैयार होंगे तथा इनमें से 25 प्रतिशत देश की सेना को विश्व की सबसे उत्कृष्ट एवं कुशल सेना बनाने में योगदान देंगे। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष देश की सुरक्षा जैसे विषय पर भी राजनीति कर रहा है और सुधारों को रोकने के लिए युवाओं को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। आज जब देश के युवा 'अग्निपथ' जैसी योजना के साथ मजबूती से खड़े हैं तथा मोदी सरकार के सुधारवादी कदमों का समर्थन कर रहे हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न विभागों में रिक्त दस लाख पदों को 'मिशन मोड' में भरने का संकल्प लिया है। इससे देश में युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। आज जब 'नए भारत' का मार्ग प्रशस्त हो रहा है, तो देश एक नई ऊर्जा एवं संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, मैसूर (कर्नाटक)

योग हमें शांति देता है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हजारों लोगों के साथ मैसूर पैलेस ग्राउंड में विराट योग प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री बासवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानन्द सोनोवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मैसूर पैलेस ग्राउंड में योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैसुरु जैसे आध्यात्मिक केंद्रों ने जिस योग-ऊर्जा को सदियों से पोषित किया, आज वह योग-ऊर्जा विश्व स्वास्थ्य को दिशा दे रही है। आज योग वैश्विक सहयोग का पारस्परिक आधार बन रहा है और योग मानव मात्र को निरोग जीवन का विश्वास दे रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि योग घरों की चहारदीवारी से बाहर निकलकर पूरे विश्व में फैल गया है और यह आध्यात्मिक बोध, प्राकृतिक और साझा मानव चेतना का प्रतीक बन गया है, खासतौर से अभूतपूर्व महामारी के पिछले दो वर्षों के दौरान। उन्होंने कहा कि योग अब वैश्विक पर्व बन गया है। योग किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं, संपूर्ण मानवता के लिये है। इसलिये, इस बार योग दिवस का थीम है– मानवता के लिए योग। श्री मोदी ने इस थीम को विश्वस्तर पर अपनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र और सभी देशों को धन्यवाद दिया।

> योग अब वैश्विक पर्व बन गया है। योग किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं, संपूर्ण मानवता के लिये है। इसलिये, इस बार योग दिवस का थीम है– मानवता के लिए योग

मनीषियों का उद्धरण देते हुये श्री मोदी ने कहा कि योग हमें शांति देता है। योग से प्राप्त शांति किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं है। योग हमारे समाज में शांति लाता है। योग हमारे राष्ट्रों और विश्व में शांति लाता है और योग हमारे ब्रह्माण्ड में शांति लाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह पूरा ब्रह्माण्ड हमारे अपने शरीर और आत्मा से आरंभ होता है। ब्रह्माण्ड हमसे आरंभ होता है और योग हमें भीतर से चेतन करता है और जागरूकता की भावना पैदा करता है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत में इस बार योग दिवस हम एक ऐसे समय पर मना रहे हैं, जब देश अपनी आजादी के 75वें वर्ष का पर्व मना रहा है, अमृत महोत्सव मना रहा है। योग दिवस की यह व्यापकता, यह स्वीकार्यता भारत की उस अमृत भावना की स्वीकार्यता है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को ऊर्जा दी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यही कारण है कि देशभर के उन 75 प्रमुख स्थलों पर विराट योग प्रदर्शनों का आयोजन किया जा रहा है, जो भारत के गौरवशाली इतिहास के साक्षी रहे हैं तथा जो सांस्कृतिक ऊर्जा के केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के ऐतिहासिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास का अनुभव भारत के अतीत, भारत की विविधता और भारत के विस्तार को एक सूत्र में पिरोने जैसा है।

श्री मोदी ने अभिनव कार्यक्रम 'गार्डियन योग रिंग' के बारे में भी बताया, जो विदेश में भारतीय मिशनों के साथ-साथ 79 देशों और संयुक्त राष्ट्र संगठनों द्वारा किये जाने वाले सामूहिक योगाभ्यास

योग ने हमें जोड़ने का काम किया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 जून, 2022 को 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर नोएडा, उत्तर प्रदेश के नोएडा स्टेडियम में दीप प्रज्ज्वलित कर विशाल योग शिविर का शुभारम्भ किया और लगभग दो हजार से अधिक लोगों के साथ योग किया। इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्य सभा सांसद श्री सुरेंद्र नागर, नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस योग शिविर का आयोजन आयुष विभाग, नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन, भारत विकास परिषद्, नोएडा प्राधिकरण व जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।

आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए श्री नड्डा ने देशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी लोग योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और स्वस्थ एवं खुशहाल रहें। योग स्वास्थ्य, कल्याण और शांति के लिए विश्व को भारत की ओर से दिया गया अमूल्य उपहार है। योग में शांति, करुणा, भाईचारे के एक नए युग की शुरुआत करने और मानव जाति की सर्वांगीण प्रगति करने की क्षमता है। योग का मूल सार सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखना या फिर दिमाग व शरीर के बीच संतुलन बनाना नहीं है, बल्कि दुनिया में मानवीय रिश्तों के बीच संतुलन बनाना भी है। इसलिए इस बार के 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2022' की थीम है– 'मानवता के लिए योग' अर्थात् 'Yoga for Humanity.' इसलिए, मानवता की सेवा और मानवता की रक्षा के लिए भी योग का सहारा लिया जाना चाहिए। इस बार की थीम इसी बात पर बल देती है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं सक्षम नेतृत्व और उनके अथक प्रयासों के बल पर ही भारतीय संस्कृति की लगभग 5,000 साल पुरानी योग विद्या आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरी दुनिया में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इसे लगभग 77 देशों ने समर्थन देते हुए सह-प्रस्तावित किया था। तीन महीने के भीतर-भीतर ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी और 21 जून, 2015 से प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

उन्होंने कहा कि आज हमने 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नोयडा के स्टेडियम में योग अभ्यास किया। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश के 75 हजार स्थानों पर 'योग दिवस' मनाया जा रहा है। भाजपा इसके माध्यम से योग के प्रचार-प्रसार के लिए और योग को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों स्थलों में से ही नोयडा का यह स्टेडियम है। योग दिवस पर आप सबलोग के जुड़ने के लिए मैं आप सब का अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर योग विद्या पर प्रकाश डालते हुए श्री नड्डा ने कहा कि अभी जो योग का अभ्यास किया गया है, यह भारत की पुरातन काल की एक महत्वपूर्ण एवं अमूल्य विद्या है जो मन, शरीर और आत्मा को स्वस्थ रखने का प्रयोजन है। यह सिर्फ शरीर को ठीक करने का ही अभ्यास नहीं है। इसका नाम 'योग' है, योग का मतलब होता है जोड़, जोड़ा जाना। जब शरीर, मन, आत्मा और बुद्धि– चारों एक साथ जुड़ते हैं तो उसे योग कहते हैं। शरीर के अभ्यास के साथ मेडिटेशन और मेडिटेशन के साथ एक संपूर्ण शारीरिक एवं मानसिक विकास ही योग है।

श्री नड्डा ने कहा कि योग ने हमें जोड़ने का काम किया है। हम सब अपने जीवन को योग के साथ जोड़कर स्वस्थ एवं खुशहाल रहें। ■

के जरिये योग की एकीकरण ऊर्जा का प्रदर्शन से सम्बंधित है तथा जिसने राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर लिया है। सूर्य जैसे-जैसे पूर्व से पश्चिम की तरफ बढ़ रहा है, योग में हिस्सा लेने वाले देशों में विराट योगाभ्यास हो रहा है। अगर पृथ्वी के किसी एक बिंदु से देखा जाये, तो ऐसा लगेगा कि यह सब-कुछ एक के बाद एक, लगभग बारी-बारी से घटित हो रहा है। यही है 'वन सन, वन अर्थ' की अवधारणा। उन्होंने कहा कि योग के ये प्रयोग स्वास्थ्य, संतुलन और सहयोग की अद्भुत प्रेरणा दे रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि योग हमारे लिये केवल जीवन का अंग नहीं है, आज यह जीने का तरीका बन गया है। उन्होंने कहा कि योग किसी समय और स्थान विशेष तक सीमित नहीं है। श्री मोदी ने कहा कि हम कितने तनावपूर्ण माहौल में क्यों न हों, कुछ मिनट का ध्यान हमें शांत कर देता है, हमारी उत्पादकता बढ़ा देता है। इसलिये, हमें योग को एक अतिरिक्त काम के तौर पर नहीं लेना है। हमें योग को

जानना भी है, हमें योग को जीना भी है। हमें योग को पाना भी है, हमें योग को अपनाना भी है। जब हम योग को जीना शुरू करते हैं, तो योग दिवस योगाभ्यास भर करने के लिये नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य, आनन्द और शांति के मंगलोत्सव का माध्यम बन जाता है।

श्री मोदी ने कहा कि आज समय आ गया है कि हम योग से जुड़ी अनन्त संभावनाओं को पहचानें। आज हमारे युवा बड़ी संख्या में योग क्षेत्र में नये विचार लेकर आ रहे हैं। उन्होंने आयुष मंत्रालय के स्टार्ट-अप योग चैलेंज के विषय में भी बताया। श्री मोदी ने 'योग के प्रोत्साहन और विकास के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार' के 2021 के विजेताओं को बधाई दी।

आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर्व को आजादी के अमृत महोत्सव के साथ संलग्न करते हुये विराट योग प्रदर्शनों का आयोजन देशभर के 75 प्रमुख स्थलों पर किया जा रहा है। यह आयोजन प्रधानमंत्री के मैसुरु में योगाभ्यास के साथ 75 केंद्रीय मंत्रियों की अगुवाई में हो रहा है। योगाभ्यास विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, औद्योगिक और अन्य सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा भी किया जा रहा है, जिनमें देशभर के करोड़ों लोग हिस्सा ले रहे हैं।

मैसुरु में प्रधानमंत्री का योग कार्यक्रम अभिनव कार्यक्रम 'गार्डियन योग रिंग' का हिस्सा है, जो विदेश में भारतीय मिशनों के साथ-साथ 79 देशों और संयुक्त राष्ट्र संगठनों द्वारा किये जाने वाले सामूहिक योगाभ्यास से जुड़ा है, ताकि राष्ट्रीय सीमाओं से परे योग की एकीकरण ऊर्जा प्रकट हो सके।

वर्ष 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में हर वर्ष 21 जून को मनाया जा रहा है। इस वर्ष के योग दिवस की विषयवस्तु 'मानवता के लिये योग' है। यह विषयवस्तु बताती है कि कोविड महामारी के दौरान बीमारी की पीड़ा हरने में कैसे योग ने मानव मात्र की सेवा की।

मुख्य बिंदु

- आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैसुरु के मैसूर पैलेस ग्राउंड पर प्रधानमंत्री विराट योग प्रदर्शन में सम्मिलित हुये; मैसूर में प्रधानमंत्री के योग कार्यक्रम के साथ-साथ देशभर के 75 प्रमुख स्थलों पर विराट योग प्रदर्शन
- देशभर में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा भी विराट योग प्रदर्शनों का आयोजन, जिनमें करोड़ों लोग ने भागीदारी की
- प्रधानमंत्री का मैसुरु का योग कार्यक्रम 'वन सन, वन अर्थ' की अवधारणा को रेखांकित करने वाले अभिनव कार्यक्रम 'गार्डियन योग रिंग' का अंग
- योग किसी व्यक्ति मात्र के लिये नहीं, संपूर्ण मानवता के लिये है
- योग से हमारे समाज, राष्ट्रों, विश्व और हमारे ब्रह्माण्ड में शांति आती है
- योग दिवस की यह व्यापकता, यह स्वीकार्यता भारत की उस अमृत भावना की स्वीकार्यता है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को ऊर्जा दी थी
- भारत के ऐतिहासिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास का अनुभव भारत के अतीत, भारत की विविधता और भारत के विस्तार को एक सूत्र में पिरोने जैसा है
- योगाभ्यास से स्वास्थ्य, संतुलन और सहकारिता के लिये अद्भुत प्रेरणा मिलती है
- आज समय आ गया है कि हम योग से जुड़ी अनन्त संभावनाओं को पहचानें
- जब हम योग को जीना शुरू करते हैं, तो योग दिवस हमारे स्वास्थ्य, आनन्द और शांति के मंगलोत्सव का माध्यम बन जाता है ■

भाजपानीत एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को बनाया राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार

भाजपानीत एनडीए ने 21 जून, 2022 को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में घोषित किया। वह झारखंड की पूर्व राज्यपाल और ओडिशा में मंत्री रही हैं।

श्रीमती मुर्मू ने 24 जून को अपना नामांकन दाखिल किया, राष्ट्रपति पद के लिए 18 जुलाई को मतदान होगा और वोटों की गिनती 21 जुलाई को होगी।

अगर वह चुनी जाती हैं, तो वह भारत की पहली जनजातीय और देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी।

श्रीमती मुर्मू लगातार बाधाओं को पार कर नये अध्याय लिख रही हैं, वह झारखंड की पहली महिला राज्यपाल रहीं। झारखंड के राज्यपाल के तौर पर उन्होंने 2015 से 2021 तक अपनी सेवाएं दीं।

श्रीमती मुर्मू ने ओडिशा के एक पिछड़े जिले मयूरभंज गांव में एक गरीब जनजाति परिवार से आने के बावजूद अपनी पढ़ाई को पूरा किया। वह रायरंगपुर में श्री अरबिंदो इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर में शिक्षिका थीं। उनका जन्म 20 जून, 1958 को हुआ था और उन्होंने भुवनेश्वर के रामादेवी महिला कॉलेज में पढ़ाई की।

उन्होंने रायरंगपुर एनएसी के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। श्रीमती मुर्मू ने 2000 से 2004 तक रायरंगपुर क्षेत्र का ओडिशा विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने परिवहन और वाणिज्य, पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री के रूप में कार्य किया। 2004 से 2009 तक वह फिर से ओडिशा विधानसभा की सदस्य रहीं। 2007 में ओडिशा विधानसभा ने उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए नीलकंठ पुरस्कार' से सम्मानित किया।

1979 और 1983 के बीच उन्होंने सिंचाई और बिजली विभाग में एक कनिष्ठ सहायक के रूप में काम किया। उन्होंने 1997 में प्रदेश एसटी मोर्चा की उपाध्यक्ष सहित भाजपा के कई संगठनात्मक पदों पर कार्य किया। वह 2006 से 2009 तक भाजपा के ओडिशा एसटी मोर्चा की अध्यक्ष रहीं। 2002 से 2009 तक वे भाजपा एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी रहीं।

श्रीमती मुर्मू 2013 से 2015 तक भाजपा के एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सदस्य रहीं और वह 2010 और 2013 में मयूरभंज (पश्चिम) की भाजपा जिलाध्यक्ष रहीं।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने अपना जीवन समाजसेवा एवं गरीबों, दलितों के साथ-साथ हाशिए के लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। उनके पास समृद्ध प्रशासनिक अनुभव है और उनका कार्यकाल उत्कृष्ट रहा है। मुझे विश्वास है कि वह हमारे देश की सर्वोत्तम राष्ट्रपति साबित होंगी। लाखों लोग, विशेष रूप से वे जिन्होंने गरीबी का अनुभव किया है और कठिनाइयों का सामना किया है, उन्हें श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के जीवन से बहुत ताकत मिलती है। नीतिगत मामलों की उनकी समझ और दयालु स्वभाव से हमारे देश को बहुत लाभ होगा।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का समृद्ध प्रशासनिक अनुभव, नि:स्वार्थ समाजसेवा का इतिहास और समाज के उत्थान के लिए काम करने का अथक उत्साह, उन्हें देश के एक महान राष्ट्रपति के तौर पर स्थापित करेगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में उन्हें एनडीए से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित करना सम्मान की बात है। उनका व्यक्तित्व हम सभी के लिए एक प्रेरणा है और हम सभी के लिए आदर्श है। देश के लिए उनका योगदान बहुत बड़ा है और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने की विशेषज्ञता है जो हमारे देश के लिए बहुत फायदेमंद होगी। समाज के वंचित वर्गों के उत्थान की दिशा में उनके प्रयासों को भी व्यापक रूप से समर्थन मिला है।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

गरीब से गरीब व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा कवच मिलना चाहिए: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 जून, 2022 को चित्रदुर्ग, कर्नाटक में ग्राम पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष समावेश को संबोधित किया और उनसे 'न्यू इंडिया' के पुनर्निर्माण में योगदान देने हेतु कर्नाटक की ग्राम शक्ति को और जागृत करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बासवराज बोम्मई, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नलिन कटील, केंद्रीय मंत्री श्री ए. नारायण स्वामी और कर्नाटक के भाजपा प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह भी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि हमने कांग्रेस का कुशासन देखा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकार में पंचायत के विकास के लिए केंद्र सरकार से नाम मात्र की मदद मिलती थी। यदि किसी पंचायत को एक साल में 10 लाख या 20 लाख रुपये मिल जाते थे तो उनमें ख़ुशी की लहर दौड़ जाती थी, लेकिन आज श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में एक-एक ग्राम पंचायत को हर साल करोड़ों रुपये विकास के लिए मिलते हैं। इतना ही नहीं, पहले पंचायत का पैसा दिल्ली से चलता था तो कर्नाटक की कांग्रेस सरकार उस निधि का कहीं और उपयोग कर लेती थी और जो बच जाता था, वही पैसा पंचायत पहुंच पाता था, लेकिन आज पंचायत के विकास का पैसा सीधे दिल्ली से पंचायत पहुंचता है। पहले प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष औसतन 54 रुपये ही पंचायत में विकास के लिए आ पाते थे, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में प्रति व्यक्ति औसतन 674 रुपये विकास के लिए पंचायत में आता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत देश के सभी नागरिकों को अपनी जमीन का मालिकाना हक़ मिल रहा है। इससे न केवल भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े में कमी आ रही है बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ है कि जिसकी भूमि है, उस पर उसी का हक़ है। अब तक डेढ़ लाख गांवों का सर्वे हो चुका है और लगभग 85 लाख स्वामित्व कार्ड वितरित किये जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आज कर्नाटक खुले में शौच के अभिशाप से मुक्त हो चुका है। राज्य के लगभग 3,585 गांव सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़ चुके हैं। कर्नाटक देश का पहला ऐसा राज्य है जहां रूरल सैनिटेशन की पॉलिसी लागू हो चुकी है। चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना हो, सौभाग्य योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, किसान सम्मान निधि हो, आयुष्मान भारत योजना हो या फिर कोई अन्य योजना– लगभग हर योजना को क्रियान्वयित करने में कर्नाटक ने काफी अच्छा कार्य किया है।

> चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना हो, सौभाग्य योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, किसान सम्मान निधि हो, आयुष्मान भारत योजना हो या फिर कोई अन्य योजना– लगभग हर योजना को क्रियान्वयित करने में कर्नाटक ने काफी अच्छा कार्य किया है

श्री नड्डा ने कहा कि हमारा यह मानना है कि गांव के भी गरीब से गरीब व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा कवच मिलना चाहिए। इसलिए यह ग्राम पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों की जिम्मेवारी बनती है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके नेतृत्व में चल रही कर्नाटक की भाजपा सरकार की हर विकास योजना का लाभ पहुंचे। अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के लाभ से कोई व्यक्ति नहीं छूटना चाहिए। ग्राम पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि सौभाग्य योजना के तहत बिजली से वंचित

हर घर में बिजली पहुंचे और उन गरीबों को भी आयुष्मान कार्ड मिले, जिन्हें अब तक किसी कारणवश नहीं मिल पाया है। देश में लगभग 3 करोड़ लोग अब तक इस योजना का लाभ उठा चुके हैं जिस पर श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने अब तक लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में लगभग 4 करोड़ लोग गरीब कल्याण अन्न योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। आज कर्नाटक एफडीआई में नंबर वन है। मत्स्य संपदा योजना के तहत 250 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर कर्नाटक में मत्स्य पालकों के लिए योजना चल रही है। कर्नाटक में लगभग 4 करोड़ से अधिक लोगों को राशन कार्ड मिल चुका है। कर्नाटक आज 4 बिलियन यूएस डॉलर के मसाले का रिकॉर्ड निर्यात कर रहा है। आज कर्नाटक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मसाला निर्यातक है। साथ ही, कर्नाटक ने इस बार एक बिलियन यूएस डॉलर मूल्य के कॉफ़ी का भी निर्यात किया है।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में पंचायत के विकास का यह स्वर्णिम समय है। आज रिकॉर्ड मात्रा में पंचायत तक विकास का पैसा पहुंच रहा है। यह ग्राम पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी है कि पंचायत के विकास के लिए एक-एक पाई का सदुपयोग हो और गरीब से गरीब व्यक्ति का विकास सुनिश्चित हो।

अग्निपथ योजना पर बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि अग्निपथ एक क्रांतिकारी योजना है। यह योजना दुनिया में भारत की फ़ौज को और मजबूती देने में सहायक सिद्ध होगी। देश में कुछ ऐसी ताकतें मौजूद हैं जो नहीं चाहती कि रक्षा क्षेत्र में सुधार और परिवर्तन आये, इसलिए वे युवाओं को बरगलाने और गुमराह करने का काम कर रही हैं। हम चाहते हैं कि हमारी युवा शक्ति का उपयोग सही तरीके से देश की सेवा में हो। अतः मैं देश के युवाओं से निवेदन करना चाहता हूं कि आपको प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर पूर्ण भरोसा रखना चाहिए। अग्निपथ योजना युवाओं की क्षमता में और निखार लाएगा और उनके उज्जवल भविष्य को संवारेगा। अग्निपथ से निकले अग्निवीर दुनिया में अपने आप को स्थापित करते हुए 'राष्ट्र रक्षा' के लिए सदैव जाने जायेंगे। मैं युवा साथियों से अपील करता हूं कि आप पहले गहराई से इस योजना को समझें कि ये योजना आपके लिए एक साथ कितने अवसर लेकर आ रही है। अग्निपथ योजना साढ़े 17 साल में किसी युवा को न केवल 'इंडियन आर्मी' के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि अन्य सर्विस से जुड़ कर उसमें भी आगे बढ़ने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी हमारे मुख्यमंत्री श्री बासवराज बोम्मई ने भी कहा है कि राज्य सरकार की सर्विस में अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जायेगी। मैं युवा साथियों से अपील करना चाहता हूं कि आप आंदोलन की राह छोड़ें और अपने भविष्य को एक नया आयाम देने के लिए गहराई से अग्निपथ योजना को समझें, जानें और इससे जुड़कर देश की सेवा में अपने आप को समर्पित करें। यही देश की पुकार है। ■

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

कर्नाटक के बेंगलुरु में भाजपा, राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि हम गर्व से कह सकते हैं कि कोई अन्य दल भाजपा की तरह समावेशी विकास और प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत नहीं कर सकता है।

भाजपा राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि ओबीसी वर्ग में पार्टी का और अधिक प्रचार प्रसार हो। श्री नड्डा ने कहा कि पिछड़ी जातियां एक बड़ा समूह हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस समूह का कोई भी व्यक्ति भाजपा से दूर न रहें। उन्होंने कहा कि भाजपा को सभी समूहों का नेतृत्व करना चाहिए।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी जाति को भाजपा के रूप में पहचानना शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमारी पहचान भाजपा के तौर पर होनी चाहिए।" "हर किसी को अपनी पहचान भाजपा के नाम से जानी जाने वाली जाति से करनी चाहिए। सभी की जाति भाजपा होनी चाहिए। सभी जातियों को गर्व होना चाहिए कि उनके सदस्य भाजपा का हिस्सा हैं।"

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर जाति और समुदाय को एक करने के लिए कई ऐतिहासिक पहल की हैं। वह देश की प्रगति के लिए सभी समुदायों और जातियों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं। श्री नड्डा ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को इसे मजबूत करने में अपना योगदान देना चाहिए। ■

असम में भाजपा ने केएएसी की सभी 26 सीटें जीतीं

कांग्रेस नहीं खोल पायी खाता

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 12 जून, 2022 को घोषित असम के कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद् (केएएसी) के परिणामों मे सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। इन 26 सीटों के लिए 08 जून को मतदान हुआ था।

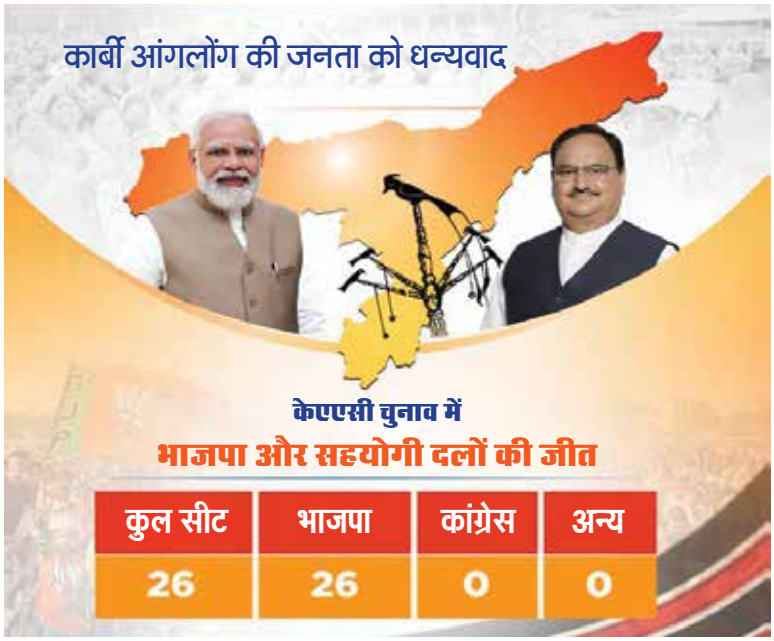

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा की प्रचंड जीत की सराहना की और लोगों को आश्वासन दिया कि पार्टी असम की प्रगति के लिए काम करती रहेगी। "कार्बी आंगलोंग में ऐतिहासिक परिणाम! मैं लोगों को भाजपा में उनके निरंतर विश्वास प्रकट करने के लिए धन्यवाद देता हूं और उन्हें आश्वासन देता हूं कि हम असम की प्रगति के लिए काम करते रहेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रयास उत्कृष्ट रहे हैं। उन्हें प्रणाम!"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "केएएसी चुनावों में इस शानदार जीत के लिए सभी असम भाजपा के सदस्यों और कार्यकर्ताओं को बधाई। यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के विजन में लोगों के विश्वास और हमारे कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस जनादेश के लिए लोगों को धन्यवाद।"

मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, "हम लगातार दूसरी बार केएएसी चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए कार्बी आंगलोंग के लोगों के समक्ष नतमस्तक हैं।" श्री सरमा ने कहा कि शहरी निकाय और जीएमसी चुनावों में जीत के बाद, यह विशाल जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विश्वास' के विजन में जनता के भरोसे को दिखाता है।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2021 में कार्बी आंगलोंग जिले के पांच उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद केएएसी के लिए यह पहला चुनाव था। पिछले साल 'कार्बी आंगलोंग समझौते' की मोदी सरकार की इस ऐतिहासिक पहल के बाद 1,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया था, साथ ही कार्बी क्षेत्रों के लिए 1,000 करोड़ रुपये के 'विशेष विकास पैकेज' की घोषणा भी हुई थी। ■

महाराष्ट्र विधान परिषद् चुनाव में भाजपा ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की

महा विकास अघाड़ी गठबंधन को एक बड़ा झटका देते हुए भाजपा ने 20 जून, 2022 को संपन्न हुए महाराष्ट्र विधान परिषद् के चुनाव में पांच सीटें जीतीं, जबकि सत्तारूढ़ शिवसेना और राकांपा को दो-दो सीटें मिलीं। भाजपा प्रत्याशी श्री प्रवीण दारेकर, श्री राम शिंदे, श्री श्रीकांत भारतीय, श्री उमा खापरे और श्री प्रसाद लाड ने जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, सत्तारूढ़ गठबंधन को क्रॉस वोटिंग के बाद हार का सामना करना पड़ा। सत्तारूढ़ एमवीए के लिए दो सप्ताह के भीतर यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले भाजपा ने 10 जून को राज्यसभा चुनाव में भी जीत दर्ज की थी।

भाजपा ने पांच उम्मीदवार जबकि एमवीए ने 10 एमएलसी सीटों के लिए छह उम्मीदवार उतारे। संख्या कम होने के बावजूद भाजपा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने में सफल रही।

जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हमारे सभी पांच उम्मीदवार चुनकर आये हैं। राज्यसभा में भाजपा को 123 वोट मिले। परिषद् चुनाव में हमें 134 वोट मिले। हमारे पांचवें उम्मीदवार को जीताने के लिए हमारे पास संख्या बल नहीं था, लेकिन फिर भी हमें कांग्रेस के दो उम्मीदवारों से ज्यादा वोट मिले।" ■

'भाजपा मणिपुर को शांतिपूर्ण और प्रगतिशील राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध'

मणिपुर भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक 15 और 16 जून, 2022 को कांगपोकपी में आयोजित की गई। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह, राज्य भाजपा अध्यक्ष श्रीमती ए. शारदा देवी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अभय कुमार और प्रदेश भाजपा के सभी मंत्री और पार्टी के पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने के लिए मणिपुर के कांगपोकपी पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष का वहां बड़ी संख्या में मौजूद थौडौ जनजाति के लोगों और छात्रों ने भव्य स्वागत किया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री बीएल संतोष ने भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी के मूल्यों का स्मरण करवाया। उन्होंने सभी से एक मजबूत और प्रतिबद्ध पार्टी संगठन के निर्माण के लिए आने वाले दिनों में कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ पार्टी के मूल्यों को मजबूत करने का आग्रह किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि लोगों को भाजपा में विश्वास है और पार्टी कार्यकर्ताओं को इसे ध्यान में रखते हुए लोक कल्याणकारी कार्य करने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा मणिपुर के उत्थान के लिए कटिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें ऐसी योजनाओं को लागू करना चाहिए, जो आने वाली पीढ़ियों के हितों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह मणिपुर को एक अधिक शांतिपूर्ण और प्रगतिशील राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने भाजपा के मूल सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण की अवधारणा पार्टी के हृदय में है। उन्होंने भाजपा और पार्टी नेताओं के इतिहास पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री एन. बीरेन ने कहा कि भाजपा राज्य से नशीली दवाओं के खतरे को दूर करने के लिए 'ड्रग्स 2.0 अभियान' की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ए. शारदा देवी ने भी सभा को संबोधित किया और 2022 के राज्य विधानसभा चुनावों में योगदान के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की।

एक अन्य कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ए. शारदा देवी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने मणिपुर भाजपा के जिला अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया। ■

अग्निपथ योजना

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' को दी मंजूरी

संबंधित सेवा अधिनियमों के तहत चार साल के लिए अग्निवीर नामांकित किए जाएंगे। तीन सेनाओं में लागू जोखिम और कठिनाई भत्ते के साथ आकर्षक मासिक पैकेज तथा चार साल की कार्यावधि पूरी होने पर अग्निवीरों को एकमुश्त 'सेवा निधि' पैकेज का भुगतान किया जाएगा । इस साल 46,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14 जून को भारतीय युवाओं के लिए सशस्त्र बलों में सेवा के लिए एक आकर्षक भर्ती योजना को मंजूरी दी। इस योजना को 'अग्निपथ' कहा जाता है और इस योजना के तहत चुने गए युवाओं को 'अग्निवीर' कहा जाएगा। अग्निपथ देशभक्त और प्रेरित युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सशस्त्र बलों में सेवा करने की अनुमति देता है।

'अग्निपथ योजना' सशस्त्र बलों के युवा प्रोफाइल को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई है। यह उन युवाओं को अवसर प्रदान करेगा, जो समाज से युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करके वर्दी धारण करने के प्रति इच्छुक हो सकते हैं, जो समकालीन तकनीकी प्रवृत्तियों के अनुरूप हैं और समाज में कुशल, अनुशासित और प्रेरित जनशक्ति की पूर्ति करते हैं। जैसाकि सशस्त्र बलों के लिए यह सशस्त्र बलों के युवा प्रोफाइल को बढ़ाएगा और 'जोश' और 'जज्बा' का एक नया संसाधन प्रदान करेगा, साथ ही साथ एक अधिक तकनीकी जानकार सशस्त्र बलों की दिशा में एक परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा, जो वास्तव में समय की आवश्यकता है।

यह परिकल्पना की गई है कि इस योजना के कार्यान्वयन से भारतीय सशस्त्र बलों की औसत आयु लगभग 4-5 वर्ष कम हो जाएगी।

राष्ट्र, समाज और राष्ट्र के युवाओं के लिए एक अल्पकालिक सैन्य सेवा के लाभांश बहुत अधिक हैं। इसमें देशभक्ति की भावना, टीम वर्क, शारीरिक फिटनेस में वृद्धि, देश के प्रति निष्ठा और बाहरी खतरों, आंतरिक खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के समय राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता शामिल है।

यह तीनों सेनाओं की मानव संसाधन नीति में एक नए युग की शुरुआत करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किया गया एक प्रमुख रक्षा नीति सुधार है। नीति, जो तत्काल प्रभाव से लागू होती है, इसके बाद तीनों सेनाओं के लिए नामांकन को नियंत्रित करेगी।

अग्निवीरों को लाभ

अग्निवीरों को तीन सेनाओं में लागू जोखिम और कठिनाई भत्ते के साथ एक आकर्षक अनुकूलित मासिक पैकेज दिया जाएगा। चार साल की कार्यावधि के पूरा होने पर अग्निवीरों को एकमुश्त 'सेवा निधि' पैकेज का भुगतान किया जाएगा, जिसमें उनका योगदान शामिल होगा जिसमें उस पर अर्जित ब्याज और सरकार से उनके योगदान की संचित राशि के बराबर योगदान शामिल होगा, जैसाकि नीचे दर्शाया गया है:

वर्ष	अनुकूलित पैकेज (मासिक)	हाथ में (70%)	अग्निवीर कॉर्पस फंड में योगदान (30%)	भारत सरकार द्वारा कॉर्पस फंड में योगदान
	सभी आंकड़े रुपये में (मासिक अंशदान)			
प्रथम वर्ष	30000	21000	9000	9000
दूसरा वर्ष	33000	23100	9900	9900
तीसरा वर्ष	36500	25580	10950	10950
चौथा वर्ष	40000	28000	12000	12000
अग्निवीर कॉर्पस फंड में चार साल बाद कुल योगदान			5.02 लाख रुपये	5.02 लाख रुपये
4 साल बाद बाहर निकलने पर	11.71 लाख रुपये सेवा निधि पैकेज के रूप में (उपरोक्त राशि पर लागू ब्याज दरों के अनुसार संचित ब्याज सहित) का भी भुगतान किया जाएगा।			

'सेवा निधि' आयकर से छूट दी जाएगी। ग्रेच्युटी और पेंशन संबंधी लाभों का कोई अधिकार नहीं होगा। अग्निवीरों को भारतीय सशस्त्र बलों में उनकी कार्यावधि के लिए 48 लाख रुपये का गैर-अंशदायी जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्र की सेवा की इस अवधि के दौरान अग्निवीरों को विभिन्न सैन्य कौशल और अनुभव, अनुशासन, शारीरिक फिटनेस, नेतृत्व गुण, साहस और देशभक्ति प्रदान की जाएगी। चार साल के इस

कार्यकाल के बाद अग्निवीरों को नागरिक समाज में शामिल किया जाएगा, जहां वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अत्यधिक योगदान दे सकते हैं।

प्रत्येक अग्निवीर द्वारा प्राप्त कौशल को उनके अद्वितीय बायोडाटा का हिस्सा बनने के लिए एक प्रमाणपत्र में मान्यता दी जाएगी। अग्निवीर अपनी युवावस्था में चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से भी खुद को बेहतर बनाने के अहसास के साथ परिपक्व और आत्म-अनुशासित होंगे।

अग्निवीर के कार्यकाल के बाद नागरिक दुनिया में उनकी प्रगति के लिए जो रास्ते और अवसर खुलेंगे, वे निश्चित रूप से राष्ट्र निर्माण की दिशा में काफी लाभदायक होंगे। इसके अलावा, लगभग 11.71 लाख रुपये की सेवा निधि अग्निवीर को वित्तीय दबाव के बिना अपने भविष्य के सपनों को आगे बढ़ाने में मदद करेगी, जो आमतौर पर समाज के आर्थिक रूप से वंचित तबके के युवाओं के लिए होता है।

सशस्त्र बलों में नियमित संवर्ग के रूप में नामांकन के लिए चुने गए व्यक्तियों को न्यूनतम 15 वर्षों की अतिरिक्त सेवा अवधि के लिए सेवा करने की आवश्यकता होगी और भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारियों/अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में उनके समकक्ष और समय-समय पर संशोधित भारतीय वायु सेना में नामांकित गैर-लड़ाकू सेवा के मौजूदा नियमों और शर्तों द्वारा शासित होंगे।

यह योजना सशस्त्र बलों में युवा और अनुभवी कर्मियों के बीच एक अच्छा संतुलन सुनिश्चित करके और अधिक युवा और तकनीकी रूप से युद्ध लड़ने वाले बल को बढ़ावा देगी।

लाभ

- सशस्त्र बलों की भर्ती नीति में परिवर्तनकारी सुधार।
- युवाओं को देश की सेवा करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अनूठा अवसर।
- सशस्त्र बलों का प्रोफाइल युवा और ऊर्जावान।
- अग्निवीरों के लिए आकर्षक वित्तीय पैकेज।
- अग्निवीरों के लिए सर्वोत्तम संस्थानों में प्रशिक्षण लेने और उनके कौशल और योग्यता को बढ़ाने का अवसर।
- सभ्य समाज में सैन्य लोकाचार के साथ अनुशासित और कुशल युवाओं की उपलब्धता।
- समाज में लौटने वालों के लिए पर्याप्त पुनः रोजगार के अवसर और जो युवाओं के लिए रोल मॉडल के रूप में उभर सकते हैं।

नियम एवं शर्तें

अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों को चार साल की अवधि के लिए संबंधित सेवा अधिनियमों के तहत बलों में नामांकित किया जाएगा। वे सशस्त्र बलों में एक अलग रैंक बनाएंगे, जो किसी भी मौजूदा रैंक से अलग होगी। सशस्त्र बलों द्वारा समय-समय पर घोषित की गई संगठनात्मक आवश्यकता और नीतियों के आधार पर चार साल की सेवा पूरी होने पर अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में स्थायी नामांकन के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

इन आवेदनों पर उनकी चार साल की कार्यावधि के दौरान प्रदर्शन सहित उद्देश्य मानदंडों के आधार पर केंद्रीकृत तरीके से विचार किया जाएगा और प्रत्येक विशिष्ट बैच के 25 प्रतिशत तक सशस्त्र बलों के नियमित कैडर में नामांकित किया जाएगा।

नामांकन 'ऑल इंडिया ऑल क्लास' के आधार पर होगा और पात्र आयु 17.5 से 21 वर्ष के बीच होगी। हालांकि, पिछले दो वर्षों के दौरान भर्ती करना संभव नहीं हुआ है, इसलिए केंद्र सरकार ने 2022 के लिए प्रस्तावित भर्ती चक्र के लिए एकबारगी छूट देने का निर्णय लिया है। तदनुसार, 2022 के लिए अग्निपथ योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया गया है। ■

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल व असम राइफल्स की भर्ती में अग्निवीरों को प्राथमिकता

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 15 जून को 'अग्निपथ योजना' में 4 साल पूरा करने वाले अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPFs) और असम राइफल्स में भर्ती में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया।

गृह मंत्री कार्यालय ने ट्वीट्स के ज़रिए कहा कि 'अग्निपथ योजना' युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए श्री नरेन्द्र मोदी का एक दूरदर्शी व स्वागत योग्य निर्णय है। इसी संदर्भ में गृह मंत्रालय ने इस योजना में 4 साल पूरा करने वाले अग्निवीरों को CAPFs और असम राइफल्स में भर्ती में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकार पुलिस बल में सेवानिवृत्त 'अग्निवीरों' को प्राथमिकता देगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सेवानिवृत्त 'अग्निवीरों' को उत्तर प्रदेश पुलिस बल में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के मंशानुरूप 'अग्निपथ योजना' युवाओं को राष्ट्र व समाज की सेवा हेतु तैयार करेगी, उन्हें गौरवपूर्ण भविष्य का अवसर प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार आश्वस्त करती है कि 'अग्निवीरों' को सेवा के उपरांत पुलिस व पुलिस के सहयोगी बलों में समायोजित करने में प्राथमिकता दी जाएगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने ट्वीट कर कहा कि मैं घोषणा करता हूं कि 'अग्निपथ योजना' के तहत 4 वर्ष देश की सेवा करने के बाद वापिस आने वाले अग्निवीरों को गारंटी के साथ हरियाणा सरकार में नौकरी दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने अगले डेढ़ साल में 10 लाख लोगों की भर्ती का दिया निर्देश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों से कहा कि वे 'मिशन मोड' में काम करते हुये अगले डेढ़ साल में दस लाख लोगों की भर्ती करें। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 14 जून को इसकी जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि सभी सरकारी विभागों एवं मंत्रालयों में मानव संसाधन की स्थिति की समीक्षा के बाद प्रधानमंत्री का यह निर्देश आया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सभी सरकारी विभागों व मंत्रालयों में 1.5 साल में मिशन मोड में 10 लाख भर्तियां करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए निर्देश के लिए उनका धन्यवाद किया। एक ट्वीट के ज़रिए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए भारत का आधार उसकी युवा शक्ति है, जिसको सशक्त बनाने के लिए मोदीजी निरंतर कार्यरत है। मोदीजी द्वारा सभी सरकारी विभागों व मंत्रालयों में 1.5 साल में मिशन मोड में 10 लाख भर्ती करने का निर्देश युवाओं में नयी आशा और विश्वास लायेगा। ■

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 45 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,39,225 करोड़ रुपये हुआ

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अग्रिम कर संग्रह 1,01,017 करोड़ रुपये रहा जो 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि प्रदर्शित करता है तथा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 30,334 करोड़ रुपये के बराबर के रिफंड जारी किए गए

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 16.06.2022 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह प्रदर्शित करते हैं कि पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,33,651 करोड़ रुपये की तुलना में शुद्ध संग्रह 3,39,225 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के संग्रह के मुकाबले 45 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी प्रदर्शित करता है। वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध संग्रह (16.06.2022 तक) ने वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि के दौरान 171 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज कराई, जब शुद्ध संग्रह 1,25,065 करोड़ रुपये था और वित्त वर्ष 2019-20 की समान अवधि के मुकाबले 103 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित की जब शुद्ध संग्रह 1,67,432 करोड़ रुपये था।

3,39,225 करोड़ रुपये (16.06.2022 तक) के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 1,70,583 करोड़ रुपये (नेट ऑफ रिफंड) का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) तथा 1,67,960 करोड़ रुपये (नेट ऑफ रिफंड) सेक्यूरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आय कर (पीआईटी) शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंडों के लिए समायोजित करने से पूर्व) पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,64,382 करोड़ रुपये की तुलना में 3,69,559 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के संग्रह की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी को प्रदर्शित करता है। इसमें 1,78,215 करोड़ रुपये के सेक्यूरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) सहित 1,90,651 करोड़ रुपये का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) तथा व्यक्तिगत आय कर (पीआईटी) शामिल है।

गौण शीर्ष वार संग्रह में 1,01,017 करोड़ रुपये का अग्रिम कर, 2,29,676 करोड़ रुपये का स्रोत पर कर कटौती, 21,849 करोड़ रुपये का स्व-आकलन कर, 10,773 करोड़ रुपये का नियमित आकलन कर, 5,529 करोड़ रुपये का वितरित लाभ कर तथा 715 करोड़ रुपये का अन्य गौण शीर्षों के तहत कर शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के लिए अग्रिम कर संग्रह 1,01,017 करोड़ रुपये का है, जबकि इससे ठीक पहले के वित्त वर्ष की समान अवधि में अग्रिम कर संग्रह 75,783 करोड़ रुपये का रहा था जो 33 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी प्रदर्शित करता है। इसमें 78,842 करोड़ रुपये का कॉरपोरेशन टैक्स (सीआईटी) तथा 22,175 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आय कर (पीआईटी) शामिल है। इस राशि में वृद्धि होने का अनुमान है, क्योंकि बैंकों से अभी और जानकारी प्राप्त होनी है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए (16.06.2022 तक) टीडीएस संग्रह 2,29,676 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे ठीक पहले के वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1,57,434 करोड़ रुपये रहा था, जो लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान स्व-आकलन कर संग्रह (16.06.2022 तक) 21,849 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे ठीक पहले के वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,483 करोड़ रुपये रहा था जो 41 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि प्रदर्शित करता है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 30,334 करोड़ रुपये के बराबर के रिफंड भी जारी किए गए हैं। ■

कैबिनेट ने आईएमटी/5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी को दी मंजूरी

5जी सेवाएं जल्द ही शुरू की जाएंगी, जो 4जी से लगभग 10 गुना तेज होगी।
72 गीगाहट्र्ज से अधिक स्पेक्ट्रम की 20 वर्षों की अवधि के लिए नीलामी की जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 15 जून को स्पेक्ट्रम की नीलामी करने के दूरसंचार विभाग के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके माध्यम से सफल निविदादाताओं को जनता और उद्यमों को 5जी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेक्ट्रम सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, मेक इन इंडिया आदि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी सरकार की प्रमुख नीतिगत पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

ब्रॉडबैंड, विशेष रूप से मोबाइल ब्रॉडबैंड, नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। 2015 के बाद से देश भर में 4जी सेवाओं के तेजी से विस्तार के माध्यम से इसे एक बड़ा बढ़ावा मिला है। 2014 में 10 करोड़ ग्राहकों की तुलना में आज 80 करोड़ ग्राहकों की ब्रॉडबैंड तक पहुंच है। इस तरह की अग्रणी नीतिगत पहलों के माध्यम से सरकार अंत्योदय परिवारों तक मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, ई-राशन आदि तक पहुंच को बढ़ावा देने में सक्षम है।

देश में बनाया गया 4जी इको-सिस्टम अब 5जी के स्वदेशी विकास की ओर ले जा रहा है। भारत के 8 शीर्ष प्रौद्योगिकी संस्थानों में 5जी टेस्ट बेड सेटअप भारत में घरेलू 5जी तकनीक के लॉन्च को गति दे रहा है। मोबाइल हैंडसेट, दूरसंचार उपकरणों के लिए पीएलआई (उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन) योजनाएं और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत से भारत में 5जी सेवाओं के शुभारंभ के लिए एक मजबूत इको-सिस्टम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। वह समय दूर नहीं जब भारत 5जी तकनीक और आने वाली 6जी तकनीक के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने वाला है।

स्पेक्ट्रम पूरे 5जी इको-सिस्टम का एक अभिन्न और आवश्यक हिस्सा है। आगामी 5जी सेवाओं में नए युग के व्यवसाय बनाने, उद्यमों के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने और नवीन उपयोग-मामलों और प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से उत्पन्न होने वाले रोजगार का सृजन करने की क्षमता है।

20 साल की वैधता अवधि के साथ कुल 72097.85 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी

जुलाई, 2022 के अंत तक की जाएगी। नीलामी विभिन्न निम्न (600 मेगाहट्र्ज, 700 मेगाहट्र्ज, 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज), मध्यम (3300 मेगाहट्र्ज) और उच्च-हाई (26 गीगाहट्र्ज) फ्रीक्वेंसी बैंड में स्पेक्ट्रम के लिए आयोजित की जाएगी।

यह उम्मीद की जाती है कि मध्यम और उच्च बैंड स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा गति और क्षमता प्रदान करने में सक्षम 5जी के माध्यम से प्रौद्योगिकी-आधारित सेवाओं को रोल-आउट करने के लिए किया जाएगा, जो वर्तमान 4जी सेवाओं की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक होगा। ■

सभी 36 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में लागू हुई 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' योजना

गत 21 जून को केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार असम 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' (ओएनओआरसी) को लागू करने वाला देश का 36वां राज्य/केंद्रशासित प्रदेश बन गया। इसके साथ, ओएनओआरसी योजना को सभी 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जिससे पूरे देश में खाद्य सुरक्षा क्रियान्वित हो गई है।

कोविड-19 महामारी के पिछले दो वर्षों के दौरान ओएनओआरसी योजना ने एनएफएसए (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) के लाभार्थियों, विशेष रूप से प्रवासी लाभार्थियों को रियायती खाद्यान्न सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह देश में अपनी तरह की एक विशेष नागरिक केंद्रित पहल है जिसे अगस्त, 2019 में शुरू किए जाने के बाद से लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को कवर करते हुए बहुत कम समय में तेजी से लागू किया गया।

इस लाभार्थी केंद्रित उच्च प्रभावी योजना का उद्देश्य सभी एनएफएसए लाभार्थियों को देश में कहीं पर भी अपनी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से

सशक्त बनाना है, जिससे वे अपने मौजूदा राशन कार्डों की पोर्टेबिलिटी के माध्यम से अपनी पसंद की किसी भी उचित मूल्य की दुकान से अपने अधिकार के सब्सिडी वाले खाद्यान्न (आंशिक या पूर्ण) को निर्बाध रूप से उठा सकते हैं। यह लाभार्थियों के परिवार और सदस्यों को उनकी पसंद के एफपीएस से अपने मूल स्थान या किसी और जगह पर भी उसी राशन कार्ड पर शेष/आवश्यक मात्रा में खाद्यान्न उठाने में सक्षम बनाता है। ■

समष्टि का सामूहिक स्वरूप

पं. दीनदयाल उपाध्याय

गतांक का अंतिम भाग...

पुरुषार्थ की कल्पना मनुष्य को करनी आवश्यक है। ऐसे चार तरह के कार्य अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष। ये चार पूर्ण होते रहे, तो ही सामाजिक जीवन सफल होता है। अर्थः जीवनावश्यक सब चीजें प्राप्त करने के लिए राज्य आवश्यक है। और इसका घनिष्ठ संबंध है। राजा नहीं, सेना नहीं, पुलिस नहीं तो जीवन का क्या होगा? गुलाम बनेंगे। अर्थहीन, राज्यहीन अवस्था बन जाएगी। इसलिए साधन जुटाना चाहिए। इसलिए अर्थ पुरुषार्थ आवश्यक कामनाओं की तृप्ति के लिए अर्थ की जरूरत होती है। अर्थ, काम पुरुषार्थ का साधन है और काम पुरुषार्थ के साथ अर्थ है। अर्थ का उद्देश्य अपनी आशाओं का 'काम' तृप्त करने के लिए। उदाहरण, पेट भरने के लिए चावल, कपड़े के लिए कपास निर्माण करते हैं। परंतु आशाओं पर बंधन चाहिए, वही धर्म। गेहूं, चावल, द्राक्ष, ये आहार के लिए हैं। मद्य तैयार करने के लिए नहीं। यानी काम-तृप्ति धर्म विरोधी नहीं रहनी चाहिए। दूसरे को देकर खाने में मन को शांति मिलती है और यह समझकर बताने वाली बुद्धि होती है। जिन्होंने अनुभव लिया है, उनकी बुद्धि-ज्ञान ही हमारे मार्गदर्शक होते हैं। अपने सुख के नियम ऐसे अनुभवी लोगों ने खोज निकाले हैं। बीमार आदमी को उपचार के नियम आयुर्वेद ने बताए। उसी प्रकार जीवन के सब नियम उन्होंने बनाकर रखे। ये नियम निर्माण नहीं कर सकते, तो उनकी खोज करनी पड़ती है। ये सब नियम धर्म-कार्य के लिए हैं, आख़िर में मोक्ष दिलाने के लिए हैं। मोक्ष यानी परम आनंद की स्थिति ।

यह सब मिलाकर राष्ट्र होता है। व्यक्ति और समाज यानी सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों भी महत्त्वपूर्ण हैं। समाज कितना भी छोटा हुआ, तो भी उसमें दो बाजू रहती ही हैं। उन दोनों को, दो बाजू को अलग नहीं कर सकते।

न्याय-अन्याय का विवेक

पाश्चात्यों में आर्थिक मानव' की मात्र कल्पना की गई है। अर्थशास्त्र में चार से पांच रुपया ज्यादा है, लेकिन न्यायपूर्ण और प्रामाणिकता से मिले चार रुपए, अन्याय से मिले पांच रुपए से अच्छे रहते हैं। उसकी क़ीमत ज्यादा है। आज अपनी स्थिति बहुत ख़राब हो गई है। इसका कारण यह है कि यह जो न्याय, अन्याय का विवेक है, उसको हम भूल बैठे हैं। प्रजातंत्र में 'राजकीय-मानव' की मात्र कल्पना है। इस प्रकार एक एक बात का अलग-अलग विचार पाश्चात्यों ने किया है, उससे परस्पर विरोध निर्माण होने से एक-दूसरे के साथ सहकार नहीं, उनका तर्क परस्पर मेल नहीं खाता।

अपने यहां सब बातों का समग्र विचार किया गया है। अंतिम हित निर्माण करने में कौन समर्थ रहते हैं, बीमार आदमी को कौन सी औषधि देनी चाहिए। इसका तय जनता, सरकार, न्यायालय इनमें से कोई भी नहीं कर सकता। उसका तय केवल वैद्य ही कर सकता है। वैद्यकीय शास्त्र में यह एक धर्म, नियमों का ज्ञान, वही अंतिम अधिकारी होता है। सब क्षेत्रों में यही नियम लागू है। ये सब मिलकर धर्म होता है। जन्म होते ही माता के स्तन में दूध तैयार रहता है। जन्म होते ही प्राणी स्तर पर रहे व्यक्तियों का समाज पोषण करता है। उसे ज्ञान देता है, अन्यान्य संस्कार करता है और उसको मनुष्य बनाता है। सब सामाजिक संस्थाओं का यह करणीय कार्य है। कुटुंब, पंचायत, जाति और अनिवार्य पक्ष में राज्य, ये सब व्यक्ति को सहायता देनेवाले आधार हैं। सबके आख़िर में राज्य है। लेकिन आज के समाजवाद में सबसे प्रथम और आख़िर में भी राज्य है।

व्यक्ति को निष्काम-कर्म करना चाहिए। पितृऋण, मातृऋण, देशऋण, देवऋण आदि सब ऋण चुकाने चाहिए और इसलिए उसको काम मिलना चाहिए। कर्म के अनुसार फल मिलता है। वह फल भी व्यक्ति को समाज को समर्पण कर देना चाहिए। किसान खेती करता है और आख़िर में निर्माण हुई फ़सल समाज को अर्पण करता है। इसी को ही यज्ञ कहते हैं। उस फ़सल का समाज समानता से वितरण करता है। जैसे मां अपने चार बेटों में कोई भी चीज़ समानता से और आत्मीयता से बांटती है। समाज यानी कुटुंब, जाति, पंचायत और शासन। शासन एक ही नहीं। व्यक्ति कमाया हुआ धन मां के पास देता है। और मां फिर चारों भाइयों को ज़रूरत के अनुसार धन देती है। कमाया हुआ धन कोई पंचायत को, कोई राज्य को कर के रूप में देते हैं। इस धन का आगे राज्य क्या करेगा? स्कूल, दवाख़ाना आदि आवश्यक बातें, मां के जैसी आत्मीयता से समाज को देता है। इसी को यज्ञ-चक्र कहते हैं। समुद्र से भाप, बादल, बरसात, नदी, समुद्र यह है उसी प्रकार व्यक्ति समाज का परस्पर सुखपूरक रीति से चक्र फिरता है। कर्म, फल, यज्ञ, यह चक्र जहां है, वहीं समाज ठीक तरह से चलता है। समाज में सुव्यवस्था रहती है।

पश्चिम ने बांटा

पाश्चात्यों ने एक समुच्चय के रूप में जीवन का समग्र विचार न करते हुए उसको अनेक हिस्सों में बांटा है और जीवन का टुकड़े-टुकड़े

में विचार किया है। उदाहरणतः, पाश्चात्य पद्धति से रोगों का निदान करके उस पर इलाज होता है, उसमें व्यक्ति के शरीर का विचार नहीं है, लेकिन आयुर्वेद में व्यक्ति के संपूर्ण शरीर की चिकित्सा होती है। रोगों का निदान करके शरीरानुकूल इलाज किया जाता है। सबको एक ही दवा नहीं दी जाती। पाश्चात्यों की भोजन-पद्धति, भोजन करने का तरीक़ा भी खंड-खंड में है। हम चावल दाल मिलाकर खाते हैं। लेकिन पाश्चात्यों को सब मिलाकर कैसे खाना है, मालूम नहीं। वे अलग-अलग चीजें अलग-अलग खाते हैं। हमने जीवन को संपूर्ण रूप से देखा है। केवल आर्थिक कार्यक्रम लेकर कोई चले तो उसकी उन्नति नहीं होती। परीक्षा में विद्यार्थी सब विषयों में पास हुआ तो ही उत्तीर्ण होता है। केवल एक विषय में पास होकर नहीं चलेगा। अर्थ, काम, धर्म और मोक्ष, इन सब में पास हुए तो ही जीवन सफल और यशस्वी बनता है। व्यक्ति और समाज के हित का सदैव विचार चाहिए। ज़ोर से भागना भी है तो पैर को साथ देनेवाली दृष्टि भी चाहिए। आंख नहीं और तेज़ दौड़ेगा, तो वह कहां जाकर टकराएगा?

अपने शरीर के अंदर ताक़त यानी अपना प्राण है। वैसे समाज का प्राण यानी विराट् है। राष्ट्र के अंदर अगर विराट् है, संगठित शक्ति, क्षात्र तेज है तो ही राष्ट्र ठीक रहता है। यदि निरोगी सशक्त अवस्था में है तो शरीर के सब अवयवों में शक्ति रहती है यदि यही दुर्बल है तो राष्ट्र दुर्बल रहता है, विकृतियां पैदा होती हैं। रा.स्व. संघ समाज की वह प्राणशक्ति है। वही सब क्षेत्रों में कार्य कर रही है। हृदय पैर की छोटी उंगली की भी चिंता करता है। उसी तरह लद्दाख पर हमला हुआ तो यहां हमें दुःख होता है। संघ का कार्य विराट् को मज़बूत बनाना है।

विराट् को जाग्रत् करना यानी संगठन का कार्य करना है। टुकड़ा-पद्धति से यह कार्य नहीं होगा। इसलिए हम पश्चिम के पद-चिह्नों पर चलना बंद करें और अपनी पद्धति का ज्ञानदीप आगे लें। इससे पाश्चात्यों को भी मार्ग-दर्शन करने का सामर्थ्य अपने में आएगा। हम पश्चिम को अपनी एकात्म जीवन-पद्धति, एकात्म मानवतावाद देना चाहते हैं। हम अपने रास्ते पर चलते हुए एक आदर्श जीवन—

'एतद्देश प्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः ।
स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्याम् सर्वमानवाः ॥

ऐसा एक आत्मविश्वास का भाव लेकर हम कार्य करके दिखाएंगे तो पाश्चात्य राष्ट्र अपने पीछे जरूर आ जाएंगे। इसलिए इस मार्ग का रक्षण करना चाहिए। हमारी संगठित शक्ति से धर्म का रक्षण करते हुए परम वैभव प्राप्त करना है, ऐसी अपनी प्रार्थना है। उसको हम हर दिन कहते हैं। हमें विचार करना चाहिए कि भगवान् से केवल खीर मांगने से काम नहीं चलेगा। खीर हज़म करने की सामर्थ्य, जीर्ण शक्ति भी हमें चाहिए। शरीर स्वस्थ रहा तो कोई सी भी चीज़ जीर्ण होती है। अपनी कार्य पद्धति में अपने जीवनादर्शों का रक्षण करनेवाली शक्ति का विन्यास होता है। वृद्धि होती है। विराट् जाग्रत् होता है। उससे राष्ट्र का परम वैभव मिलाने की सिद्धता होती है। इसलिए यह संगठन का कार्य करणीय है। इसे स्वीकार करें। ■ (समाप्त)

(–संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: बंगलौर, 27 मई, 1965)

दस लाख रिक्त पदों को भरने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 15 जून, 2022 को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकारी विभागों और मंत्रालयों में मानव संसाधन की स्थिति की समीक्षा के बाद 10 लाख रिक्त पदों को भरने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। इस कदम से बड़ी संख्या में शिक्षित युवाओं को फायदा होगा। साथ ही प्रभावी शासन देने के लिए राज्य की क्षमता में वृद्धि होगी।

यह प्रणाली व्यापक स्तर पर जनता को लाभ पहुंचाएगी। सरकार ने नवनिर्मित राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के माध्यम से केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सामान्य पात्रता परीक्षा जैसे भर्ती प्रक्रिया में सुधार शुरू किया है। इस संस्थान ने प्रशासनिक ढांचे के आधुनिकीकरण और सरकारी अधिकारियों को मनमानी अधिकार देने वाले निरर्थक कानूनों को हटाने का कठिन काम भी किया है।

एक प्रभावी और मजबूत राज्य बनने से हमारे निजी क्षेत्र के बाजार और आर्थिक विकास को गतिशील बनाने में महत्वपूर्ण है। मिशन मोड में लंबे समय से लंबित रिक्तियों को भरना सही दिशा में एक कदम है। डॉक्टरों, शिक्षकों, न्यायाधीशों, पुलिस कर्मियों आदि की भर्ती से न केवल महत्वपूर्ण सेवाओं में सुधार होगा और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि बेहतर मानव संसाधन, कानून और व्यवस्था, अनुबंध प्रवर्तन आदि में योगदान देकर आर्थिक विकास में भी वृद्धि होगी।

भाजयुमो ने मांग की है कि सभी विपक्षी शासित राज्य पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से सभी लंबित रिक्तियों को जल्द से जल्द भरें और इसके लिए एक स्पष्ट समय सीमा दें।

भाजयुमो ने केंद्र सरकार को 'अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना' के लिए भी बधाई दी। जिसके तहत इस वर्ष 46,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी। यह समाज से युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करके युवाओं को अवसर प्रदान करेगा जो समकालीन तकनीकी प्रवृत्तियों के अनुरूप हैं और समाज में कुशल, अनुशासित और प्रेरित जनशक्ति को हौंसला देगा। प्रशिक्षण और सेवा प्राप्त करने वाले प्रत्येक अग्निवीर को कौशल का एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा जो उनकी मान्यता को बढ़ाएगा। यह युवाओं को सशस्त्र बलों और देश में योगदान करने का एक और अवसर प्रदान करेगा।

'अग्निपथ योजना', युवाओं को 4 साल के कार्यकाल के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होने में सक्षम बनाएगी। इस सेवा के बाद सर्वश्रेष्ठ पेशेवरों में से 25 प्रतिशत को स्थायी रूप में फिर से शामिल किया जाएगा। 'अग्निवर' एक अलग रैंक बनाएंगे और उनकी वर्दी पर एक अलग प्रतीक चिन्ह होगा।" ■

राष्ट्रीयता के उद्घोषक डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी

(6 जुलाई, 1901 – 23 जून, 1953)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी राष्ट्रीयता के उद्घोषक एवं प्रखर विद्वान् थे।

डॉ. मुकर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को एक प्रसिद्ध बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष बंगाल के एक जाने-माने व्यक्ति थे। डॉ. मुकर्जी ने कलकत्ता से स्नातक डिग्री प्राप्त की। वे 1923 में सीनेट के सदस्य (फैलो) बन गये। उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद सन् 1924 में कलकता उच्च न्यायालय में एडवोकेट के रूप में नाम दर्ज कराया। बाद में वे सन् 1926 में 'लिंकन्स इन' में अध्ययन करने के लिए इंग्लैंड चले गए और 1927 में बैरिस्टर बन गए।

33 वर्ष की उम्र में सन् 1934 में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा उपकुलपति बने और उन्होंने यह दायित्व 1938 तक संभाला। उन्होंने विश्वविद्यालय में विज्ञान की शिक्षा को प्रोत्साहित किया और डॉ. एस. राधाकृष्णन को बंगलोर से कलकत्ता प्राध्यापक के नाते आमन्त्रित किया। उन्होंने लगभग 22 विश्वविद्यालयों (जिनमें मद्रास, बनारस, आगरा और दिल्ली विश्वविद्यालय सम्मिलित हैं) में दीक्षान्त व्याख्यान दिये। डॉ. मुकर्जी भारत में महाबोधि समाज के संस्थापक अध्यक्ष थे।

महात्मा गांधी के सुझाव पर पं. जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें स्वातन्त्र्योत्तर भारत की प्रथम अन्तरिम केन्द्रीय सरकार में उद्योग और आपूर्ति मन्त्री बनाया। उन्होंने सिन्दरी उर्वरक कारखाना, भाखड़ा नांगल बांध और भिलाई इस्पात उद्योग को स्वीकृति दी। 6 अप्रैल, 1950 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने 1949 में पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री लियाकत अली खां से की गई दिल्ली सन्धि के विरोध में मन्त्रिमण्डल से इस्तीफा दे दिया। वे पूर्वी पाकिस्तान से आनेवाले लाखों हिन्दू शरणार्थियों की दुर्दशा के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार मानते थे और उन शरणार्थियों पर राज्य सत्ता समर्थित अत्याचार के विरुद्ध प्रबलता से खड़े हुए।

संघ के द्वितीय सरसंघचालक परम पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) से परामर्श कर डॉ. मुकर्जी ने 21 अक्टूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की स्थापना की और सर्वसम्मति से उसके पहले अध्यक्ष चुने गए। भारतीय राष्ट्रध्वज की सम्प्रभुता कश्मीर में स्थापित करने के प्रयास में उन्होंने मई, 1953 में कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करने की घोषणा की और एक निशान, एक विधान, एक प्रधान की मांग को लेकर कश्मीर में प्रवेश किया। 11 मई 1953 को लखनपुर में शेख अब्दुल्ला की सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और श्रीनगर की एक जेल में कारावद्ध रखा। जहां 23 जून, 1953 को उनकी रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। कमल संदेश भारत मां के इस महान सपूत व भारतीय जनसंघ के संस्थापक को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। ■

भारतीय राष्ट्रध्वज की सम्प्रभुता कश्मीर में स्थापित करने के प्रयास में उन्होंने मई, 1953 में कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करने की घोषणा की और एक निशान, एक विधान, एक प्रधान की मांग को लेकर कश्मीर में प्रवेश किया। 11 मई 1953 को लखनपुर में शेख अब्दुल्ला की सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और श्रीनगर की एक जेल में कारावद्ध रखा

राजनीतिक और सामाजिक न्याय के लिए किसी देश का विघटन आवश्यक नहीं है, न ही पहल, बुद्धिमत्ता और प्रेरणा देनेवाले वर्ग का विनाश या अपमान। बल्कि सभी के लिए अवसर की समानता, आत्मनिर्भर होने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता की जरूरत होती है, जिसे सभी जाति या पंथ के लोगों के साथ साझा किया जा सकता है।

-डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी

मोदीजी ने दूरदृष्टि, काम करने की शक्ति और परिवर्तन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 12 जून को गुजरात का दौरा किया और वहां पर अनेक विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि गुजरात में श्री नरेन्द्र मोदी के अनेक सालों तक मुख्यमंत्री रहने के दौरान एक ऐसी व्यवस्था खड़ी हुई कि गुजरात के नागरिकों का काम सरकार स्वयं पूरा कर देती थी और यही लोकतंत्र का आदर्श उदाहरण है। श्री शाह ने कहा कि पिछली सरकारों के राज में हमने देखा था कि योजनाएं सिर्फ़ क़ाग़ज़ पर ही रहीं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ साल में हर घर में गैस का चूल्हा दिया, शौचालय पहुंचाया, हर गरीब के घर में बैंक खाता पहुंचाया, बिजली पहुंचाई और अब हर गरीब के घर में शुद्ध पीने का पानी पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदीजी ने पिछले आठ सालों में गरीबों का जीवनस्तर ऊपर लाने के लिए अनेक योजनाएं ज़मीन पर उतारीं। पिछली सरकारों के राज में ग़रीबों तक कुछ भी नहीं पहुंचता था, लेकिन आज मोदी जी ने देश के करोड़ों लोगों तक इन सभी योजनाओं को पहुंचाया और इस नीति की शुरुआत उन्होंने गुजरात से की।

श्री शाह ने कहा कि गुजरात का ये मॉडल देशभर में चर्चा में रहा और उसके कारण ही देश की जनता ने देश का शासन श्री नरेन्द्र मोदी को सौंपा। आज मोदीजी ने समग्र देश के अंदर दूरदृष्टि, काम करने की शक्ति और परिवर्तन कैसे होता है उसका आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले लगभग 3 साल में गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के 7 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 8,624 करोड़ रुपये के काम गुजरात सरकार, कॉर्पोरेशन और जिला पंचायत द्वारा पूर्ण किए गए हैं, जिनमें घाटलोडीया में 1984 करोड़, नारणपुरा में 1300 करोड़, वेजलपुर में 561 करोड़, साबरमती मे 634 करोड़, साणंद में 788 करोड़ और गांधीनगर उत्तर में लगभग 2857 करोड़ रुपये के काम हुए हैं। ■

'साइबर सुरक्षा के बिना भारत के विकास की कल्पना करना संभव नहीं'

गत 20 जून को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन (साइबर अपराध से आज़ादी– आज़ादी का अमृत महोत्सव) को संबोधित किया।

श्री शाह ने कहा कि आज के युग में साइबर सुरक्षा के बिना भारत के विकास की कल्पना करना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इनीशिएटिव से ही आज भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अगर हम साइबर सुरक्षा को सुनिश्चित नहीं करते हैं, तो हमारी यही ताक़त हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती बन जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2017 में गृह मंत्रालय में साइबर और सूचना सुरक्षा (सीआईएस) प्रभाग बनाया गया और वहां से साइबर सुरक्षा की दिशा में बहुत सारे कदम उठाए गए।

साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली

श्री शाह ने कहा कि I4C और सीआईएस डिवीजन के तहत सात स्तंभों में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए काम चल रहा है— राष्ट्रीय साइबर अपराध थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिर्पोटिंग पोर्टल, राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय साइबर अपराध अनुसंधान और नवाचार केंद्र, जॉइंट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन, राष्ट्रीय साइबर अपराध इकोसिस्टम प्रबंधन यूनिट और राष्ट्रीय साइबर अपराध फॉरेंसिक प्रयोगशाला।

उन्होंने कहा कि कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए भी I4Cने काफ़ी काम किया है। CyTrain पोर्टल के ज़रिए देशभर के पुलिसबलों के 16,000 से ज्यादा अफ़सरों का इस पोर्टल पर प्रशिक्षण हो चुका है और 6,000 लोगों को सर्टिफिकेट भी दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ साइबर अपराध फॉरेंसिक जांच में भी राष्ट्रीय साइबर अपराध फॉरेंसिक प्रयोगशाला के साथ-साथ नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी में भी अनुसंधान का काम चल रहा है।

श्री शाह ने कहा कि देश और दुनिया में कहीं पर भी साइबर फ्रॉड या साइबर अटैक का नए प्रकार का हमला होता है तो नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी इसका संज्ञान लेकर और इस पर शोध कर इससे बचाव और सुरक्षा की प्रणाली विकसित करने के लिए काम कर रही है। ■

मेरी मां जितनी सरल हैं, उतनी ही असाधारण हैं: नरेन्द्र मोदी

अपनी मां के 100वें साल में प्रवेश करने के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून, 2022 को एक भावनात्मक ब्लॉग लिखा। उन्होंने अपनी मां के साथ बिताए हुए कुछ पलों को याद किया। उन्होंने उनको बड़ा करने के दौरान मां द्वारा किए गए बलिदानों को याद किया और अपनी मां की विभिन्न खूबियों का उल्लेख किया जिससे उनके दिमाग, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आकार मिला।

श्री मोदी ने लिखा कि आज मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी और सौभाग्य की अनुभूति हो रही है कि मेरी मां श्रीमती हीराबा मोदी अपने 100वें साल में प्रवेश कर रही हैं। यह उनका जन्म शताब्दी वर्ष होने जा रहा है।

लचीलेपन की प्रतीक

बचपन में अपनी मां के सामने आई मुश्किलों को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा, "मेरी मां जितनी सरल हैं, उतनी ही असाधारण हैं। बिल्कुल दूसरी सभी माताओं की तरह।" छोटी सी उम्र में ही श्री मोदी की मां ने अपनी मां को खो दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें मेरी नानी का चेहरा या उनकी गोद तक याद नहीं है। उन्होंने अपना पूरा बचपन अपनी मां के बिना बिताया है।

उन्होंने वडनगर में मिट्टी की दीवारों और मिट्टी की खपरैल की छत से बने अपने छोटे से घर को याद किया, जहां वह अपने माता-पिता और भाई-बहन के साथ रहा करते थे। उन्होंने रोजमर्रा में आने वाली मुश्किलों का उल्लेख किया, जिनका उनकी मां ने सामना किया और उन पर विजय प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां न सिर्फ घर के सभी काम किया करती थीं, बल्कि कम घरेलू आय की भरपाई के लिए भी काम करती थीं। वह कुछ घरों में बर्तन मांजा करती थीं और घरेलू खर्च में सहायता के उद्देश्य से चरखा चलाने के लिए समय निकालती थीं।

श्री मोदी ने याद करते हुए कहा कि बारिश के दौरान हमारी छत से पानी टपकता था और घर में पानी भर जाता था। मां बारिश के पानी को जमा करने के लिए बाल्टियां और बर्तन रखती थीं। ऐसे विपरीत हालात में भी मां लचीलेपन की प्रतिमूर्ति थीं।

स्वच्छता में लगे लोगों के प्रति गहरा सम्मान

श्री मोदी ने कहा कि स्वच्छता एक ऐसा कार्य था, जिसके लिए उनकी मां हमेशा ही खासी सतर्क रहीं। उन्होंने अपनी मां के स्वच्छता बनाए रखने से जुड़े कई उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि उनकी मां साफ-सफाई में लगे लोगों के प्रति गहरा सम्मान रखती थीं। जब भी कोई उनके घर से लगी नाली की सफाई करने आता था, तो उनकी मां उसे चाय पिलाए बिना नहीं जाने देती थीं।

दूसरों की खुशी में खुशी तलाशना

श्री मोदी ने बताया कि उनकी मां दूसरे लोगों की खुशियों में अपनी खुशी तलाश लेती थीं और उनका दिल बहुत बड़ा था। उन्होंने याद करते हुए बताया, "मेरे पिता के एक दोस्त पास के गांव में रहा करते थे। उनकी असमय मृत्यु के बाद मेरे पिता अपने दोस्त के बेटे अब्बास को हमारे घर पर ले आए। वह हमारे साथ रहा और अपनी पढ़ाई पूरी की। मां को हम भाई-बहनों की तरह अब्बास से पर्याप्त स्नेह था और उसकी देखभाल करती थीं। हर साल ईद पर वह उसके पसंदीदा व्यंजन बनाती थीं। त्योहारों पर पड़ोस के बच्चों का घर पर आना और मां की खास तैयारियों का लुत्फ उठाना आम बात थी।"

श्री मोदी की मां उनके साथ सार्वजनिक रूप से सिर्फ दो अवसरों पर गईं

ब्लॉग पोस्ट में श्री मोदी ने उन दो अवसरों के बारे में बताया जब वह अपनी मां के साथ सार्वजनिक रूप से गए थे। एक बार वह अहमदाबाद के एक सार्वजनिक समारोह में गए जब उन्होंने श्रीनगर से वापस लौटने पर उनके माथे पर तिलक लगाया था, जहां उन्होंने एकता यात्रा पूरी करते हुए लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। दूसरा मौका तब आया, जब श्री मोदी ने 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की मां ने जीवन का एक पाठ पढ़ाया

श्री मोदी ने लिखा कि उनकी मां ने उन्हें यह अहसास कराया कि औपचारिक रूप से शिक्षा हासिल किए बिना भी सीखना संभव है। उन्होंने एक घटना साझा की जब वह अपनी सबसे बड़ी शिक्षक— अपनी मां के साथ अपने सभी शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करना चाहते थे। हालांकि, उनकी मां ने यह कहकर

इनकार कर दिया, "देखो, मैं एक सामान्य महिला हूं। मैंने तुम्हें भले ही जन्म दिया है, लेकिन तुम्हें सर्वशक्तिमान ने पढ़ाया और बड़ा किया है।"

श्री मोदी ने कहा कि भले ही उनकी मां कार्यक्रम में नहीं आईं, लेकिन उन्होंने सुनिश्चित किया कि वह अपने स्थानीय शिक्षक जेठाभाई जोशी जी के परिवार को बुलाएं, जिन्होंने उन्हें अक्षर यानी अल्फाबेट पढ़ाए थे। उन्होंने कहा कि उनकी विचार की प्रक्रिया और दूरदर्शी सोच उन्हें हमेशा चौंकाती रही है।

एक कर्तव्यपरायण नागरिक

श्री मोदी ने बताया कि एक कर्तव्यपरायण नागरिक के रूप में उनकी मां ने चुनाव की शुरुआत के बाद से पंचायत से लेकर संसद तक हर चुनाव में मतदान किया।

एक अत्यंत सरल जीवनशैली को अपनाना

मां की अत्यंत सरल जीवनशैली के बारे में बताते हुए श्री मोदी ने लिखा कि आज भी उनकी मां के नाम पर कोई संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें कोई सोने का आभूषण पहने नहीं देखा और उन्हें उनमें कोई दिलचस्पी नहीं है। पहले की तरह वह आज भी अपने छोटे से कमरे में बेहद सरल जीवनशैली जीती हैं।

वर्तमान घटनाक्रमों की जानकारी रखना

श्री मोदी ने कहा कि वह दुनिया में होने वाले घटनाक्रमों की जानकारी रखती हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग में बताया, "हाल में, मैंने उनसे पूछा कि वह रोजाना कितनी देर टीवी देखती हैं। उन्होंने बताया कि टीवी पर ज्यादातर लोग एक दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहते हैं और वह सिर्फ उन्हें ही देखती हैं जो शांति से समाचार पढ़ते हैं और हर बात विस्तार से बताते हैं। मुझे सुखद आश्चर्य हुआ कि मां घटनाओं पर इतनी नजर रखती हैं।

इतनी उम्र के बावजूद अच्छी स्मरण शक्ति

श्री मोदी ने 2017 की एक अन्य घटना के बारे में बताया, जिससे उनकी ज्यादा उम्र के बावजूद सतर्कता का पता चलता है। 2017 में श्री मोदी सीधे काशी से अपनी मां से मिलने गए और उनके लिए प्रसाद लेकर आए। उन्होंने कहा कि जब मैं मां से मिला, तो उन्होंने मुझसे तत्काल पूछा कि क्या मैंने काशी विश्वनाथ महादेव को नमन किया। मां अभी तक पूरा नाम— काशी विश्वनाथ महादेव बोलती हैं। उस समय बातचीत के दौरान उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या काशी विश्वनाथ मंदिर जाने वाली गलियां पहले जैसी हैं, मानो मंदिर किसी के घर के अंदर कोई मंदिर हो। मैं आश्चर्यचकित रह गया और पूछा कि आप कब मंदिर घूमने गई थीं। उन्होंने बताया कि वह काशी कई साल पहले गई थीं, लेकिन आश्चर्य की बात थी कि उन्हें सब कुछ याद था।

दूसरों की पसंद का सम्मान करना

श्री मोदी ने आगे बताया कि उनकी मां न सिर्फ दूसरों की पसंद का सम्मान करती हैं, बल्कि अपनी पसंद थोपने से भी बचती हैं। श्री मोदी ने बताया, "विशेष रूप से मेरे मामले में उन्होंने मेरे फैसलों का सम्मान किया, कभी मेरे लिए बाधा खड़ी नहीं की और मुझे प्रोत्साहित किया। बचपन से ही उन्हें लगता था कि मेरे भीतर एक अलग सोच विकसित हो रही है।

यह श्री मोदी की मां ही थीं, जिन्होंने उन्हें पूरा समर्थन दिया जब उन्होंने घर छोड़ने का फैसला किया। उनकी इच्छाओं को समझते हुए और उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनकी मां ने कहा, "वैसा करो, जैसा तुम्हारा दिल कहता है।"

गरीब कल्याण पर ध्यान

श्री मोदी ने कहा कि उनकी मां ने हमेशा ही उन्हें दृढ़ संकल्प और गरीब कल्याण पर जोर देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 2001 की एक घटना के बारे में बताया, जब उन्हें गुजरात का मुख्यमंत्री घोषित किया गया था। गुजरात पहुंचने के बाद श्री मोदी सीधे अपनी मां से मिलने गए। वह बहुत खुश थीं और उनसे कहा, "मैं सरकार में तुम्हारा काम नहीं समझती, लेकिन मैं तुमसे सिर्फ इतना चाहती हूं कि कभी रिश्वत मत लेना।"

उनकी मां उन्हें आश्वस्त करती रहीं कि उन्हें कभी भी उनकी चिंता नहीं करनी चाहिए और अपनी बड़ी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना चाहिए। जब भी वह फोन पर उनसे बात करते हैं, उनकी मां कहती हैं, "कभी कुछ गलत मत करना या किसी के साथ बुरा मत करना और गरीबों के लिए काम करते रहना।"

जीवन का मंत्र— कठोर परिश्रम

श्री मोदी ने कहा कि उनके माता-पिता की ईमानदारी और आत्मसम्मान उनकी सबसे बड़ी खूबी है। गरीबी और उससे जुड़ी चुनौतियों के साथ संघर्ष के बावजूद श्री मोदी ने कहा कि उनके माता-पिता ने कभी भी ईमानदारी का रास्ता नहीं छोड़ा या अपने आत्मसम्मान के साथ समझौता नहीं किया। किसी भी चुनौती से उबरने का उनका सबसे प्रमुख मंत्र लगातार कठोर परिश्रम था।

मातृशक्ति की प्रतीक

श्री मोदी ने कहा कि मेरी मां के जीवन की कहानी में मैं भारत की मातृशक्ति की तपस्या, बलिदान और योगदान देखता हूं। जब भी मैं मां और उनके जैसी करोड़ों महिलाओं को देखता हूं तो मुझे लगता है कि भारतीय महिलाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

श्री मोदी ने अपनी मां के जीवन की कहानी का कुछ शब्दों में इस तरह वर्णन किया...

"अभावों की हर कहानी से परे, एक मां की गौरवशाली गाथा है,
हर संघर्ष से कहीं ऊपर, एक मां का दृढ़ संकल्प है।" ■

'भारत की आजादी में अनगिनत लोगों की 'तपस्या' शामिल है'

स्थानीय से वैश्विक स्तर तक स्वतंत्रता आंदोलन की भावना हमारे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की मजबूती है

गत 14 जून को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई स्थित राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले लोगों को आज वट पूर्णिमा और कबीर जयंती पर बधाई दी।

श्री मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र ने देश को अनेक क्षेत्रों में प्रेरित किया है। उन्होंने आगे कहा कि जगतगुरु श्री संत तुकाराम महाराज से लेकर बाबासाहेब अंबेडकर तक समाज सुधारकों की बहुत समृद्ध विरासत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के संत ध्यानेश्वर महाराज, संत नामदेव, संत रामदास और संत चोखामेला ने देश में ऊर्जा का संचार किया है।

उन्होंने कहा कि अगर हम स्वराज्य की बात करें तो छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन आज भी हर भारतीय में देशभक्ति की भावना को मजबूत करता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने राजभवन की वास्तुकला में प्राचीन मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम की यादों को शामिल करने का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने राजभवन को लोक भवन में बदलने की भावना की भी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि जब हम भारत की आजादी की बात करते हैं तो जाने-अनजाने उसे कुछ घटनाओं तक सीमित कर देते हैं, जबकि भारत की आजादी में अनगिनत लोगों की तपस्या शामिल रही है और स्थानीय स्तर पर हुई अनेक घटनाओं का सामूहिक प्रभाव राष्ट्रीय था।

> मुंबई सपनों का शहर है, हालांकि महाराष्ट्र में ऐसे अनेक शहर हैं जो 21वीं सदी में देश के ग्रोथ सेंटर होने वाले हैं। इसी सोच के साथ एक तरफ मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाया जा रहा है, तो बाकी शहरों में भी आधुनिक सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं

श्री मोदी ने आगे कहा कि साधन अलग थे, लेकिन संकल्प एक ही था। उन्होंने कहा कि सामाजिक, पारिवारिक या वैचारिक भूमिकाओं के बावजूद आंदोलन का स्थान, चाहे देश के भीतर हो या विदेश में, इनका लक्ष्य एक था— भारत की संपूर्ण स्वतंत्रता।

उन्होंने बाल गंगाधर तिलक, चापेकर बंधुओं, वासुदेव बलवंत फड़के और मैडम भीकाजी कामा के बहुआयामी योगदान को याद किया। इसके अलावा श्री मोदी ने रेखांकित किया कि स्वतंत्रता संघर्ष स्थानीय स्तर के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी फैला हुआ था। उन्होंने वैश्विक स्तर पर संचालित स्वतंत्रता संग्राम के उदाहरणों के रूप में गदर पार्टी, नेताजी के नेतृत्व वाली आजाद हिंद फौज और श्यामजी कृष्ण वर्मा के इंडिया हाउस का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय से वैश्विक की यह भावना हमारे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का आधार है। श्री मोदी ने कहा कि

लंबे समय से गुमनाम नायकों को लेकर उदासीनता जारी रही है। उन्होंने बताया कि कैसे महान स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा की अस्थियां को भारत लाने के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा, जब तक कि श्री मोदी खुद उसे भारत वापस नहीं लाएं।

उन्होंने कहा कि मुंबई सपनों का शहर है, हालांकि महाराष्ट्र में ऐसे अनेक शहर हैं जो 21वीं सदी में देश के ग्रोथ सेंटर होने वाले हैं। इसी सोच के साथ एक तरफ मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाया जा रहा है, तो बाकी शहरों में भी आधुनिक सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं।

गौरतलब है कि जल भूषण भवन 1885 से महाराष्ट्र के राज्यपाल का आधिकारिक निवास रहा है। जब इसका जीवनकाल पूरा हो गया तो इसे गिरा दिया गया और इसके स्थान पर एक नए भवन के निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके बाद अगस्त, 2019 में भारत के माननीय राष्ट्रपति ने नए भवन का शिलान्यास किया था। पुराने भवन की सभी विशेष विशेषताओं को नवनिर्मित भवन में संरक्षित किया गया है।

वहीं, साल 2016 में महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल श्री विद्यासागर राव को राजभवन में एक बंकर मिला था। अंग्रेज इसका उपयोग हथियारों और गोला-बारूद के गुप्त भंडार के रूप में करते थे। 2019 में इस बंकर का जीर्णोद्धार किया गया। इसी बंकर को अब एक गैलरी का रूप दिया गया है और इसे महाराष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों के योगदान को याद करने के लिए अपनी तरह के एक संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है। यह वासुदेव बलवंत फड़के, चापेकर बंधुओं, सावरकर भाइयों, मैडम भीकाजी कामा, वी.बी. गोगेट, नौसेना विद्रोह (1946) और अन्य के योगदान को श्रद्धांजलि देता है। ■

एमसी 12: भारत के लिए अनुकूल परिणाम

विकास आनंद

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का 12वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी 12) स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 12 जून से 17 जून तक संपन्न हुआ, जिसमें भारत और अन्य विकासशील देशों के लिए कई अनुकूल परिणाम निकले। इस दौरान पांच दिनों तक चली लंबी बातचीत में भारत की अहम भूमिका रही। गरीब और विकासशील देश भारत की ओर अनुकूल और न्यायपूर्ण परिणाम को हासिल करने के लिए उम्मीद भरी दृष्टि से देख रहे थे। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से खाद्य सुरक्षा और कृषि, मत्स्य पालन सब्सिडी, कोविड-19 टीकों और महामारी को लेकर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स से छूट, डब्ल्यूटीओ सुधारः ई-ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क पर स्थगन का विस्तार आदि को लेकर चर्चा हुई।

भारत और खाद्यान्न खरीद

केंद्रीय वाणिज्य और व्यापार मंत्री श्री पीयूष गोयल ने विश्व व्यापार संगठन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सामने सबसे महत्वपूर्ण चिंता न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भारत के खाद्यान्न खरीद कार्यक्रम का बचाव करना था। यह किसानों और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए देश के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक है। अन्य विकासशील देशों को भी इस सार्वजनिक खरीद योजना से लाभ होगा। विकसित देशों ने इसे व्यापार मानदंडों के उल्लंघन के रूप में देखा है। हालांकि, भारत ने विश्व व्यापार संगठन के मौलिक सिद्धांतों के आधार पर अपना पक्ष रखा, जिसके अनुसार विशेष और विभेदक व्यवहार की बात कही गयी है। भारत खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग के दीर्घकालिक समाधान की तलाश में अपनी बात रख रहा था। यह वार्ता अगले मंत्रिस्तरीय सम्मेलन तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भारत और मत्स्य पालन सब्सिडी

पिछले 20 वर्षों से मत्स्य पालन सब्सिडी को सीमित करने की चर्चा चल रही है। विश्व व्यापार संगठन उन सब्सिडी को सीमित करना चाहता है, जो अधिक मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों को दी जा रही है। विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों को समझौते पर हस्ताक्षर करने के सात साल के भीतर सब्सिडी समाप्त करनी होगी। सात साल की अवधि 2030 में समाप्त हो जाएगी। भारत और अन्य गरीब देश अपने मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए इस अवधि को सात साल के बजाय 25 साल करने की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर भारत ने सफलतापूर्वक अपने पक्ष का बचाव किया। ओवरफिशिंग सब्सिडी पर सात साल के प्रतिबंध का प्रस्ताव करने वाले विवादास्पद खंड को हटा दिया गया है। सब्सिडी का बचाव हमारे मछुआरों के लिए महत्वपूर्ण है। लगभग चार मिलियन से अधिक लोगों अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर है। उनकी स्थिति इतनी परिपक्व नहीं है कि सरकारी सुरक्षा के बिना वह जीवित रह सके।

भारत और ई-ट्रांसमिशन

विश्व व्यापार संगठन के सदस्य 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर कोई सीमा शुल्क लगाने के पक्ष में नहीं हैं। विकसित दुनिया इस पर स्थायी रोक चाहती है। भारत कस्टम ड्यूटी पर स्थायी रोक के विरोध में मुखर रहा है। भारत ने दावा किया कि इससे विकासशील देशों को नुकसान हो रहा है। सीमा शुल्क छूट से विकसित देशों को असमान रूप से लाभ हुआ। भारत का दावा है कि विकासशील देशों की डिजिटल उन्नति के लिए स्थगन पर पुनर्विचार करना महत्वपूर्ण है। अंत में, भारत स्थगन को केवल 18 महीने के लिए बढ़ाने पर सहमत हुआ।

महामारी को लेकर भारत और विश्व व्यापार संगठन की प्रतिक्रिया

इस मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कोविड के टीकों के पेटेंट पर छूट का मुद्दा प्राथमिकता से लिया गया, क्योंकि यह कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण है। वर्तमान परिस्थिति में विकसित देशों में अधिकांश जनसंख्या का टीकाकरण अभी नहीं हो पाया हैं। डब्ल्यूटीओ ने कोविड के टीकों पर पांच साल की पेटेंट से छूट देने पर सहमति जताई है। हालांकि, इस छूट का चीन ने विरोध किया। अगले पांच वर्षों के लिए भारत और अन्य विकासशील देश मूल निर्माताओं से अनुमति प्राप्त किए बिना टीकों का निर्माण और निर्यात कर सकते हैं। यह दुनिया के कुछ सबसे गरीब देशों में भी लोगों के जीवन की रक्षा करेगा और अन्य देशों में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में भारतीय कंपनियों की सहायता करेगा।

भारत और विश्व व्यापार संगठन में सुधार

भारत डब्ल्यूटीओ सुधारों का समर्थन करता है, जो विशेष और विभेदक व्यवहार (एस एंड डीटी) को संरक्षित करते हैं, जैसेकि सर्वसम्मति-आधारित निर्णय लेना और इसे गैर-भेदभावपूर्ण बनाना। सदस्य देश विश्व व्यापार संगठन के संचालन को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। संगठन का कार्य पारदर्शी होना चाहिए और सभी सदस्यों, विशेष रूप से विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा करने पर तरजीही दी जानी चाहिए।

इस बहुपक्षीय चर्चा में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वार्ता के अनुकूल परिणाम निकालने के लिए कई देशों के साथ मिलकर काम किया। ■

‘भाजपा को जानें’ अभियान : 13 देशों के राजनयिकों के साथ संवाद

‘भाजपा एक स्वस्थ लोकतंत्र और साझा सांस्कृतिक संबंधों में दृढ़ विश्वास रखती है’

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ‘भाजपा को जानें (Know BJP)’ अभियान के चौथे चरण में 11 जून, 2022 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में 13 देशों के राजनयिकों (Head of Missions) के साथ संवाद किया। ‘भाजपा को जानें’ अभियान दुनिया के विभिन्न देशों को पार्टी के दृष्टिकोण, मिशन और कार्य संस्कृति से परिचित कराने की भाजपा की पहल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हमारा मानना है कि विभिन्न देशों की राजनीतिक व्यवस्था और राजनीतिक दलों के बीच बेहतर संवाद होना चाहिए ताकि हम एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझ सकें। भाजपा एक स्वस्थ लोकतंत्र और साझा सांस्कृतिक संबंधों में दृढ़ विश्वास रखती है। संवाद सत्र के दौरान श्री नड्डा ने स्पीड, स्किल और स्केल पर विशेष जोर दिया जिसके बल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अंत्योदय, गरीब कल्याण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की विभिन्न विकास योजनाओं को लागू करते हैं। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया कि कैसे भाजपा की पार्टी संरचना में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी है और भाजपा किस तरह देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े एवं युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करती है।

‘भाजपा को जानें’ अभियान के चौथे चरण में पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया, चेक रिपब्लिक, एस्टोनिया, फिनलैंड, लिथुआनिया, सर्बिया, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, जमैका, मॉरिशस, नेपाल और थाईलैंड के राजनयिक उपस्थित थे। इस संवाद कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राज्यवर्धन राठौड़ और श्री गुरु प्रकाश भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री राज्यवर्धन राठौड़ ने किया। अतिथियों को भाजपा के इतिहास और विकास की यात्रा को दिखाती एक वृत्ति-चित्र भी दिखाई गई, जिसकी सभी राजनयिकों ने सराहना की। अपने उद्बोधन के पश्चात् श्री नड्डा ने एक-एक करके सभी राजनयिकों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया।

> संवाद सत्र के दौरान श्री नड्डा ने स्पीड, स्किल और स्केल पर विशेष जोर दिया जिसके बल पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अंत्योदय, गरीब कल्याण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की विभिन्न विकास योजनाओं को लागू करते हैं। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया कि कैसे भाजपा की पार्टी संरचना में महिलाओं की अधिकतम भागीदारी है और भाजपा किस तरह देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े एवं युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करती है

‘भाजपा को जानें (Know BJP)’ कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के 42वें स्थापना दिवस पर 06 अप्रैल 2022 को हुई थी। इसका दूसरा चरण 16 मई 2022 को और तीसरा चरण 04 जून 2022 को आयोजित किया गया था। आज के संवाद कार्यक्रम को मिलाकर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा अब तक यूरोपियन यूनियन सहित दुनिया के 47 देशों के राजनयिकों साथ संवाद कर चुके हैं।

इस बैठक में अधिकांश राजनयिकों ने श्री नड्डा से देशों के बीच जन-संपर्क, सांस्कृतिक मेलजोल और अपने-अपने देशों की राजनीतिक पार्टियों के बीच संपर्क तथा विचार विनिमय को लेकर अपने सुझाव रखे। सबने भाजपा के संघर्ष और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की भूरि-भूरि सराहना की। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता गुयेन वान नेन से मुलाकात की

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 20 जून, 2022 को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता गुयेन वान नेन के साथ बातचीत की। श्री नेन वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य और हो चिन मिन्ह सिटी पार्टी कमेटी के सचिव भी हैं।

यह बैठक 'भाजपा को जानो' आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और भारत में मिशन प्रमुखों के साथ बातचीत करते हैं।

अब तक श्री नड्डा ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा, सिंगापुर के विदेश मंत्री श्री विवियन बालकृष्णन और यूरोपीय संघ सहित 47 देशों के दूतों के साथ बातचीत की है।

इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले भी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त बैठक में वियतनाम के महत्वपूर्ण नेता— भारत में वियतनाम के एचओडी श्री गुयेन वान नेन और माननीय श्री फाम सान चाऊ उपस्थित थे।

श्री गुयेन वान नेन ने पार्टी के कामकाज को समझने और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए भाजपा मुख्यालय का दौरा किया। श्री गुयेन वान नेन ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की मदद के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारत को धन्यवाद दिया। श्री नेन ने वियतनाम दूतावास के सामने महान वियतनामी नेता हो ची मिन्ह की प्रतिमा स्थापित करने के लिए भारत और प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद दिया।

श्री गुयेन वान नेन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए श्री नड्डा ने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को याद किया। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। श्री नड्डा ने राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की यात्रा और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की हाल की यात्रा का भी उल्लेख करने के अलावा 2016 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वियतनाम की ऐतिहासिक यात्रा के बारे में भी बात की।

बातचीत के दौरान श्री गुयेन वान नेन ने भारतीय जनता पार्टी के कामकाज, उसके संगठनात्मक ढांचे, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ इसके मजबूत जुड़ाव, पार्टी की आंतरिक चुनाव प्रक्रिया, आंतरिक संवाद और पार्टी की प्रशिक्षण प्रणाली के बारे में कई सवाल पूछे। श्री नड्डा ने प्रत्येक प्रश्न का विस्तार से उत्तर दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी के इतिहास, उसकी लंबी यात्रा, उसके संघर्ष और चुनावी सफलताओं, केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकारों द्वारा लाए गए परिवर्तनों और पार्टी की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कोविड-19 के दौरान पार्टी की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और पहलों के बारे में भी बताया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष ने संवाद, सदस्यता अभियान, नए सदस्यों के प्रशिक्षण और पार्टी के विस्तार आदि पर चर्चा की। ■

सिंगापुर के विदेश मंत्री से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 16 जून, 2022 को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में सिंगापुर के विदेश मंत्री श्री विवियन बालकृष्णन के साथ बातचीत की।

दोनों नेताओं ने भारत-सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

श्री बालकृष्णन के साथ भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त श्री साइमन वोंग भी थे।

श्री नड्डा ने श्री बालकृष्णन को देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने श्री बालकृष्णन को भाजपा की सक्रियता के बारे में भी बताया और यह भी बताया कि यह कैसे युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के साथ जुड़ रहा है, इसके अलावा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी जमीनी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ कैसे जुड़ती है।

दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की।

दोनों पक्षों के बीच विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ■

पहली बार कोई सरकार शहरी योजनाओं को महत्व दे रही है: नरेन्द्र मोदी

भारत सरकार देश की राजधानी में अत्याधुनिक सुविधाओं, विश्वस्तरीय कार्यक्रमों के लिए प्रदर्शनी हॉल की दिशा में निरंतर रूप से कार्य कर रही है

गत 19 जून को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रगति मैदान एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना की मुख्य सुरंग और पांच अंडरपास राष्ट्र को समर्पित किए। एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना प्रगति मैदान पुनर्विकास परियोजना का एक अभिन्न अंग है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल, श्री हरदीप सिंह पुरी, श्री सोम प्रकाश, श्रीमती अनुप्रिया पटेल और श्री कौशल किशोर उपस्थित थे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने परियोजना को केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार बताया। उन्होंने यातायात की भीड़ और महामारी के कारण परियोजना को पूरा करने में चुनौती की व्यापकता का स्मरण करते हुए परियोजना को पूरा करने के लिए न्यू इंडिया की नई कार्य संस्कृति और श्रमिकों एवं इंजीनियरों को इसका श्रेय दिया।

श्री मोदी ने कहा कि यह एक नया भारत है जो समस्याओं का समाधान निकालता है, नए संकल्प लेता है और उन वादों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि यह सुरंग 21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से प्रगति मैदान को बदलने के अभियान का हिस्सा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार देश की राजधानी में विश्व स्तरीय कार्यक्रमों के लिए प्रदर्शनी हॉलों और अत्याधुनिक सुविधाओं की दिशा में निरंतर रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने द्वारका में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो सेंटर और पुनर्विकास परियोजना जैसे प्रतिष्ठानों के बारे में चर्चा करते हुए इसे प्रगति मैदान से जोड़ा।

श्री मोदी ने समय और ईंधन की बचत के मामले में एकीकृत कॉरिडोर से होने वाले व्यापक लाभों पर चर्चा करते हुए एक अनुमान के अनुसार यातायात में कमी होने से 55 लाख लीटर ईंधन की बचत और 5 लाख पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभांश मिलने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जीवन को आसान बनाने के लिए ये स्थायी समाधान समय की जरूरत है।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में हमने दिल्ली-एनसीआर की समस्याओं के समाधान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। पिछले 8 वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो सेवा का विस्तार 193 किमी से 400 किमी तक हो गया है, जो दोगुने से भी अधिक है।

उन्होंने लोगों से मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की आदत डालने को कहा। इसी तरह ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे ने दिल्ली के नागरिकों की बहुत सहायता की है। काशी रेलवे स्टेशन पर नागरिकों और अन्य हितधारकों के साथ अपने वार्तालाप का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आम आदमी की मानसिकता में बहुत बदलाव आया है और सरकार उस बदलाव के अनुसार काम करते रहने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

> **पिछले 8 वर्षों में हमने दिल्ली-एनसीआर की समस्याओं के समाधान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। पिछले 8 वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो सेवा का विस्तार 193 किमी से 400 किमी तक हो गया है, जो दोगुने से भी अधिक है**

प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि कोई भी सरकार पहली बार इतने व्यापक पैमाने पर शहरी नियोजन को महत्व दे रही है। शहरी गरीबों से लेकर शहरी मध्यम वर्ग तक सभी को बेहतर सुविधाएं देने का काम किया जा रहा है। पिछले 8 वर्षों में 1 करोड़ 70 लाख से अधिक शहरी गरीबों को पक्के मकान सुनिश्चित किए गए हैं। लाखों मध्यमवर्गीय परिवारों को भी उनके घर के निर्माण के लिए मदद दी गई है।

अपने वाहन से उतरकर पैदल ही सुरंग का अवलोकन करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सुरंग में निर्मित कलाकृतियों का सृजन बेहद उत्कृष्टता के साथ किया गया है और यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का एक महान अध्ययन केंद्र है। उन्होंने कहा कि शायद यह दुनिया में कहीं भी सबसे लंबी कला दीर्घाओं में से एक है। उन्होंने सुझाव दिया कि रविवार को कुछ घंटों के लिए सुरंग को विशेष रूप से स्कूली बच्चों और पैदल यात्रियों को इन कलाकृतियों और इनमें निहित भावना के दृश्यावलोकन की सराहना करने के लिए समय निर्धारित करने पर भी ध्यान दिया जा सकता है। ■

'आज नया भारत अपनी प्राचीन पहचान को गर्व से जी रहा है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून को पावागढ़ पहाड़ी पर श्री कालिका माता के पुनर्विकसित मंदिर का उद्घाटन किया। यह इस क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है और बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। मंदिर का पुनर्विकास 2 चरणों में किया गया है। पुनर्विकास के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने इस साल की शुरुआत में अप्रैल में किया था। दूसरे चरण के पुनर्विकास की आधारशिला, जिसका उद्घाटन आज के कार्यक्रम में किया गया था, 2017 में प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी। इसमें मंदिर के आधार का विस्तार और तीन स्तरों पर 'परिसर', स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी प्रणाली जैसी सुविधाओं की स्थापना शामिल है।

श्री मोदी ने मंदिर में आने पर अपने सौभाग्य के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आज के इस क्षण के महत्व को रेखांकित किया, जब 5 शताब्दियों के बाद और आजादी के 75 साल बाद ही मंदिर पर 'ध्वज' पवित्र ध्वज फहराया जा सका है।

उन्होंने कहा कि आज सदियों के बाद पावागढ़ मंदिर के शीर्ष पर एक बार फिर झंडा फहराया जाता है। यह 'शिखरध्वज' ध्वज न केवल हमारी आस्था और आध्यात्मिकता का प्रतीक है, बल्कि यह ध्वज इस बात का भी प्रतीक है कि सदियां बदलती हैं, युग बदलते हैं, लेकिन आस्था शाश्वत रहती है। उन्होंने कहा कि आगामी 'गुप्त नवरात्रि' से ठीक पहले यह पुनर्विकास इस बात का संकेत है कि 'शक्ति' कभी कम या विलुप्त नहीं होती है।

> पावागढ़ में अध्यात्म है, इतिहास, प्रकृति, कला और संस्कृति भी है। यहां एक तरफ मां महाकाली का शक्तिपीठ है तो दूसरी तरफ एक विरासत जैन मंदिर भी है

अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और केदार धाम का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गौरव को बहाल किया जा रहा है। आज 'न्यू इंडिया' अपनी आधुनिक आकांक्षाओं के साथ अपनी प्राचीन पहचान को गर्व के साथ जी रहा है।

श्री मोदी ने याद किया कि किस तरह स्वामी विवेकानंद ने मां काली से आशीर्वाद (ब्रीफिंग) पाकर खुद को जन सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने देवी से लोगों की सेवा करने की शक्ति देने को कहा।

आजादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में श्री मोदी ने कहा कि गुजरात ने स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ राष्ट्र की विकास यात्रा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गरवी गुजरात भारत के गौरव और गौरव का पर्याय है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर की गौरवशाली परंपरा में; पंचमहल और पावागढ़ हमारी विरासत के गौरव के लिए काम करते रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज मां काली ने पुनर्विकास और ध्वजारोहण का कार्य पूरा करवाकर अपने भक्तों को सबसे बड़ा वरदान दिया है।

उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार में मंदिर की प्राचीनता के तत्व को छुआ नहीं गया है। प्रधानमंत्री ने मंदिर तक पहुंच में आसानी का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि पहले पावागढ़ की यात्रा इतनी कठिन थी कि लोग कहते थे कि जीवन में कम से कम एक बार मां के दर्शन अवश्य करें। आज यहां बढ़ती सुविधाओं ने मुश्किल दर्शन को सुलभ बना दिया है।

उन्होंने भक्तों से अनुशासन बनाए रखने को कहा। श्री मोदी ने कहा की पावागढ़ में अध्यात्म है, इतिहास, प्रकृति, कला और संस्कृति भी है। यहां एक तरफ मां महाकाली का शक्तिपीठ है तो दूसरी तरफ एक विरासत जैन मंदिर भी है। यानी पावागढ़ एक तरह से भारत की ऐतिहासिक विविधता के साथ सार्वभौमिक सद्भाव का केंद्र रहा है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास के साथ इस क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार और क्षेत्र की कला और शिल्प के बारे में जागरूकता बढ़ने के साथ नए अवसर सामने आते हैं। पंचमहल को महान संगीतकार बैजू बावरा की भूमि होने का स्मरण करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जहां-जहां विरासत और संस्कृति को बल मिलता है वहां कला और प्रतिभा भी पनपती है। प्रधानमंत्री ने याद किया कि चंपानेर से ही वर्ष 2006 में 'ज्योतिग्राम' योजना शुरू की गई थी। ■

बैंगलुरू देश के लाखों युवाओं के लिए सपनों का शहर है: नरेन्द्र मोदी

बेंगलुरू में 27,000 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून को बेंगलुरू में 27,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया और आईआईएससी बेंगलुरु में बागची पार्थसारथी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की आधारशिला रखी।

उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (बेस) विश्वविद्यालय के एक नए परिसर का भी उद्घाटन किया और उनके परिसर में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने 150 आईटीआई के आधुनिकीकरण को टेक्नोलॉजी हब के रूप में समर्पित किया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी भी उपस्थित थे।

> **बैंगलुरू ने ये दिखाया है कि सरकार अगर सुविधाएं दे और नागरिक के जीवन में कम से कम दखल दे, तो भारतीय युवा क्या कुछ नहीं कर सकते हैं**

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक में 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं और 7 रेलवे परियोजनाएं रखी गई हैं। कोंकण रेलवे के शत-प्रतिशत बिजलीकरण के महत्वपूर्ण पड़ाव के हम साक्षी बने हैं। ये सभी प्रोजेक्ट कर्नाटक के युवाओं, मध्यम वर्ग, किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों को नई सुविधाएं और नए अवसर प्रदान करेंगी।

उन्होंने कहा कि बैंगलुरू देश के लाखों युवाओं के लिए सपनों का शहर है। बैंगलुरू एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतिबिंब है। "बैंगलुरु का विकास, लाखों सपनों का विकास है। इसलिए बीते 8 वर्षों में केंद्र सरकार का ये निरंतर प्रयास रहा है कि बैंगलुरू के सामर्थ्य को और बढ़ाया जाए।"

श्री मोदी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में सरकार ने रेल संपर्क के पूर्ण परिवर्तन पर काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल अब तेज भी हो रही है, स्वच्छ भी हो रही है, आधुनिक भी हो रही है, सुरक्षित भी हो रही है और सिटीजन फ्रेंडली भी बन रही है।

प्रधानमंत्री ने एकीकृत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टरप्लान से नई गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि आगामी मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क इसी विजन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गतिशक्ति की भावना से चलाई जा रही इस तरह की परियोजनाओं से युवाओं को रोजगार मिलेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा कि बेंगलुरु की सफलता की कहानी 21वीं सदी के भारत को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती है। बैंगलुरू ने ये दिखाया है कि सरकार अगर सुविधाएं दे और नागरिक के जीवन में कम से कम दखल दे, तो भारतीय युवा क्या कुछ नहीं कर सकते हैं। बैंगलुरू देश के युवाओं के सपनों का शहर है और इसके पीछे उद्यमशीलता है, इनोवेशन है, पब्लिक के साथ ही प्राइवेट सेक्टर की सही उपयोगिता है।

उन्होंने कहा कि बेंगलुरु उन लोगों के लिए एक सबक है जो अभी भी भारत के निजी उद्यम की भावना का अनादर करते हैं। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी का भारत धन सृजित करने वालों, नौकरी देने वालों और नवप्रवर्तकों का भारत है।

स्टार्टअप क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति के बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि बीते दशकों में देश में कितनी बिलियन डॉलर कंपनियां बनी हैं, आप उंगलियों पर गिन सकते हैं, लेकिन पिछले 8 साल में 100 से अधिक बिलियन डॉलर कंपनियां खड़ी हुई हैं, जिसमें हर महीने नई कंपनियां जुड़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि 2014 के बाद पहले 10,000 स्टार्टअप बनने में 800 दिन का समय लगा था, लेकिन अब इतने स्टार्टअप 200 दिनों से भी कम समय में जुड़ रहे हैं। श्री मोदी ने बताया कि पिछले आठ साल में बनाए गए यूनिकॉर्न का मूल्य करीब 12 लाख करोड़ रुपये है। ■

'भाजपा कार्यकर्ता विकासवाद को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 जून, 2022 को गोरखपुर में भाजपा के सात जिला कार्यालयों का उद्घाटन करने के पश्चात् गरीब कल्याण सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी की आठ साल में गरीब, महिलाओं और युवाओं का सशक्तीकरण हुआ है। उन्होंने गोरखपुर में जिला-क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन करने के साथ ही डिजिटली छह कार्यालयों का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल, गोरखपुर के सांसद श्री रवि किशन, देवरिया के सांसद श्री रमापति राम त्रिपाठी, श्री राधामोहन अग्रवाल सहित कई सांसद, प्रदेश सरकार में मंत्री और भारी संख्या में लाभार्थी बंधु उपस्थित थे। उन्होंने कुछ चुनिंदा लाभार्थियों में गरीब कल्याण योजनाओं का वितरण भी किया। उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य अयोध्या से और श्री ब्रजेश पाठक रायबरेली से इस कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े।

बाबा गोरखनाथ को नमन करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज कार्यालय उद्घाटन के साथ-साथ मुझे गरीब कल्याण सभा में भी भाग लेने का अवसर मिला है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के 72 जिलों में से 69 जिलों में कार्यालय बन चुके हैं। शेष 6 जिलों में कार्यालय निर्माणाधीन है। भाजपा एक तरफ पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करती है तो वहीं, गरीब कल्याण मेला लगाकर जनकल्याण की विभिन्न योजनाओं से गरीबों को लाभान्वित भी करवाती है। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इच्छा जतायी कि देश के सभी प्रदेश, जिला और संभाग पार्टी का कार्यालय भवन होना चाहिए। भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री अमित शाह ने सभी जिलों में कार्यालय भवन बनाने की रूपरेखा तैयार की। देश भर में भाजपा के 512 जिला कार्यालय बनने हैं, जिसमें से 230 कार्यालय भवन बनकर तैयार हो गए हैं और 150 कार्यालय भवन निर्माणाधीन है। हमारे लिए पार्टी कार्यालय जीता-जागता संस्कार केन्द्र होता है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीतिक कार्य-संस्कृति बदलकर रख दी है। उन्होंने वंशवाद, परिवारवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद, पंथवाद, भ्रष्टाचार, अनाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को ख़त्म कर विकासवाद की राजनीतिक संस्कृति को नया आयाम दिया है। मोदीजी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ रहा है तो उनके मार्गदर्शन में योगी आदित्यनाथजी भी उत्तर प्रदेश आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत विगत दो वर्षों से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त आवश्यक राशन पहुंचाया जा रहा है।

> ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों की ही सफलता है कि विगत 8 वर्षों में देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत पर आ गई है

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में 'वन नेशन, वन जीएसटी' लागू किया गया। 'वन नेशन, वन ग्रिड' की व्यवस्था होने से पूरे देश में बिजली ट्रांसमिशन की सुविधा बढ़ गयी। इसी तरह से वन नेशन 'वन मोबिलिटी, वन नेशन', 'वन राशन कार्ड' इत्यादि आधुनिक तकनीक से बड़े बदलाव किये गए हैं।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में फर्टिलाइजर की फैक्ट्री थी। पांच-पांच प्रधानमंत्री यहां आकर वादा करके चले गए किन्तु फैक्ट्री चालू नहीं हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फैक्ट्री को फिर से शुरू करवाया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए गोरखपुर में एम्स स्थापित किया गया। गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में विशेष सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक खोला गया है।

उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों की ही सफलता है कि विगत 8 वर्षों में देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत पर आ गई है। इसी तरह, अत्यंत गरीबी की दर भी 0.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। आज देश का विकास दर 8.7 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कई बड़े देश इस मामले में हमसे काफी पीछे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता समाज में परिवर्तन का वाहक बनकर प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में विकासवाद को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें, यही अपेक्षा है। ■

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के फैसले

कैबिनेट ने नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट धोलेरा, अहमदाबाद के विकास की मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 14 जून को 1305 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गुजरात के धोलेरा में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के पहले चरण के विकास के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसे 48 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है।

यह परियोजना धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (डीआईएसीएल) द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जो एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), गुजरात सरकार (जीओजी) और राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) शामिल हैं, जिनकी शेयर पूंजी की हिस्सेदारी का अनुपात 51:33:16 है।

धोलेरा हवाई अड्डे को धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर) से यात्री और कार्गो यातायात मिलेगा और औद्योगिक क्षेत्र की सेवा के लिए इसके कार्गो का एक प्रमुख केन्द्र बनने की उम्मीद है। यह हवाई अड्डा नजदीकी क्षेत्र की जरूरतें भी पूरा करेगा और अहमदाबाद के दूसरे हवाई अड्डे के रूप में काम करेगा।

धोलेरा में न्यू ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा अहमदाबाद हवाई अड्डे से 80 किलोमीटर की हवाई दूरी पर स्थित है। हवाई अड्डे के वर्ष 2025-26 से संचालन की योजना बनाई गई है और प्रारंभ में प्रति वर्ष 3 लाख यात्रियों के इस हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने का अनुमान है, जिसके 20 वर्षों की अवधि में 23 लाख तक बढ़ने की उम्मीद है। वर्ष 2025-26 से हर वर्ष 20,000 टन माल यातायात का भी अनुमान है, जो 20 वर्षों की अवधि में बढ़कर 2,73,000 टन हो जाएगा।

श्रीलंका के कोलंबो में बिम्सटेक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्र की स्थापना के लिए भारत द्वारा मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 14 जून को बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनोमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) टेक्नोलॉजी ट्रान्सफर फैसिलिटी (टीटीएफ) की स्थापना के लिए भारत द्वारा एक मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) को मंजूरी दे दी। श्रीलंका के कोलंबो में 30 मार्च, 2022 को आयोजित पांचवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में बिम्सटेक के सदस्य देशों द्वारा इस बारे में हस्ताक्षर किए गए थे।

बिम्सटेक टीटीएफ का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण, अनुभवों को साझा करने और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर बिम्सटेक सदस्य देशों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में समन्वय, सुविधा एवं सहयोग को मजबूत करना है।

यह टीटीएफ अन्य बातों के अलावा, बिम्सटेक के सदस्य देशों के बीच निम्नलिखित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा। ये प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं: जैव प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुप्रयोग, कृषि प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल प्रौद्योगिकी में स्वचालन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित प्रौद्योगिकी में स्वचालन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, समुद्र विज्ञान, परमाणु प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुप्रयोग, ई-अपशिष्ट एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन से संबंधित प्रौद्योगिकियां।

बिम्सटेक टीटीएफ से निम्नलिखित परिणाम अपेक्षित हैं:

- बिम्सटेक देशों में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का डाटाबैंक,
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रबंधन, मानकों, प्रमाणन, माप विज्ञान (मेट्रोलॉजी), परीक्षण और अंशांकन (कैलिब्रेशन) की सुविधाओं से संबंधित क्षेत्रों में अच्छी परिपाटियों से जुड़ी सूचना का भंडार,
- क्षमता निर्माण, विकास कार्यों से जुड़े अनुभवों एवं अच्छी परिपाटियों को साझा करना और
- बिम्सटेक देशों के बीच प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण और उनका उपयोग। ■

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने पैलेस डेस नेशन्स, जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में उपयोग किए जाने वाले 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' के संबंध में भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच एक समझौते को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 14 जून को पैलेस डेस नेशन्स, जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओजी) में उपयोग किए जाने वाले 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' के संबंध में भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 1945 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यह वर्तमान में 193 सदस्य देशों से बना है। भारत संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य है। जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओजी) पांच इमारतों और 21 मंजिलों से मिलकर बने ऐतिहासिक पैलेस डेस नेशन्स में स्थित है। विभिन्न बैठकों एवं सम्मेलनों में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में प्रतिनिधि, नागरिक समाज के सदस्य और आम जन यूएनओजी में आते हैं। इन इमारतों की जटिल संरचना और लोगों की भारी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एक ऐसे दिशासूचक एप्लीकेशन की जरूरत महसूस की गई, जो आगंतुकों और अन्य प्रतिनिधियों को सभी सुरक्षा दृष्टिकोणों का पालन करते हुए परिसर के अंदर अपना रास्ता खोजने में मदद कर सके।

ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) पर आधारित ऐप जहां खुली जगहों में कार्य करते हैं, वहीं इमारत के भीतर काम करने वाला अपेक्षाकृत अधिक सटीक एक दिशा सूचक ऐप आगंतुकों को कमरों एवं कार्यालयों का पता लगाने में सहायता करेगा।

'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' के विकास की परियोजना की परिकल्पना 2020 में भारत सरकार द्वारा अपनी 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र को दान के रूप में की गई थी। इस ऐप के विकास, इसकी तैनाती और इसके रखरखाव की अनुमानित वित्तीय लागत दो मिलियन अमेरिकी डॉलर है। इस परियोजना में यूएनएलजी के पैलेस डेस नेशन्स परिसर में दिशा सूचक सुविधा के लिए एक सॉफ्टवेयर-आधारित 'वे फाइंडिंग एप्लीकेशन' का विकास, उसकी तैनाती और उसका रखरखाव शामिल है। यह एप्लिकेशन यूएनओजी की पांच इमारतों में फैली 21 मंजिलों के भीतर उपयोगकर्ताओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक अपना रास्ता खोजने में समर्थ बनाएगा।

यह ऐप इंटरनेट कनेक्शन से लैस एंड्रॉइड और आईओएस उपकरण में काम करेगा। इस ऐप के विकास का काम भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एक स्वायत्त दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) को सौंपा गया है।

यह परियोजना भारत सरकार की ओर से संयुक्त राष्ट्र को महत्वपूर्ण देन होगी। यह परियोजना न केवल भारत की तकनीकी क्षमताओं को रेखांकित करेगी, बल्कि संयुक्त राष्ट्र स्तर के मंच पर देश की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाएगी। यह ऐप संयुक्त राष्ट्र में भारत की उपस्थिति को महसूस कराएगा और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी से संबंधित एक मजबूत विशेषज्ञता - दुनिया भर से यहां आने वाले लोगों के मोबाइल में एक 'मेड इन इंडिया' ऐप - के रूप में भारत के सॉफ्ट पावर को भी प्रदर्शित करेगा। ■

शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के अधिकृत निकायों के बीच युवाओं के लिए कार्य के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित समझौते को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल को 14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के अधिकृत निकायों के बीच युवाओं के लिए कार्य के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के बीच हस्ताक्षरित समझौते से अवगत कराया गया।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों द्वारा 17.09.2021 को युवाओं के लिए कार्य के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित इस समझौते को अपनाए जाने के परिणामस्वरूप इस पर माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत गणराज्य की सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। एससीओ सचिवालय में कामकाज की आधिकारिक भाषा रूसी और चीनी है।

सहयोग के क्षेत्रों में शामिल हैं— राज्य की युवा नीति को लागू करने वाले युवाओं एवं सार्वजनिक युवा संगठनों (संघों) के साथ काम के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना और इसके साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय युवा सहयोग को बढ़ावा देने वाली पहल का समर्थन करना। सहयोग के क्षेत्रों में युवाओं के साथ काम के मामले में पेशेवर कर्मचारियों का प्रशिक्षण; वैज्ञानिक, संदर्भ एवं पद्धति संबंधी सामग्रियों का आदान-प्रदान, राज्य के निकायों, राज्य की युवा नीति के कार्यान्वयन में शामिल तथा युवा पहल का समर्थन करने वाले युवा सार्वजनिक संगठनों, अन्य संगठनों और संघों के कार्य अनुभव का आदान-प्रदान भी शामिल है। युवाओं से संबंधित विभिन्न नीतिगत मुद्दों और युवा सहयोग से जुड़े संयुक्त अनुसंधान एवं गतिविधियों को कार्यान्वित करना; प्रकाशित वैज्ञानिक तथ्यों का आदान-प्रदान, विनाशकारी संरचनाओं में युवाओं की भागीदारी को रोकने के सामयिक मुद्दों पर शोध कार्य; युवाओं के रोजगार एवं कल्याण में वृद्धि करने के लिए उन्हें उद्यमिता एवं रचनात्मक परियोजनाओं में शामिल करने के उद्देश्य से संयुक्त आर्थिक एवं मानवीय पहल को बढ़ावा देना; एससीओ युवा परिषद् की गतिविधियों का समर्थन करना भी उपरोक्त सहयोग का हिस्सा है।

इस समझौते का उद्देश्य शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के युवाओं के बीच आपसी विश्वास, मैत्रीपूर्ण संबंध एवं सहयोग को मजबूत करना और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को सुदृढ़ करने के एक तत्व के रूप में युवा सहयोग के विकास को सुनिश्चित करने के महत्व को स्वीकार करते हुए अंतरराष्ट्रीय अनुभव के आधार पर युवा सहयोग की स्थितियों में और अधिक सुधार की मांग करना है। ■

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री ने रक्षा सहयोग बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री ने रणनीतिक चुनौतियों तथा क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और समृद्ध तथा नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्यों को दोहराया

भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री श्री रिचर्ड मार्लेस ने 22 जून को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने वर्तमान रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की, जो कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद बढ़ती रही है तथा रक्षा सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया विस्तृत रणनीतिक साझेदारी के रक्षा तथा सुरक्षा स्तंभों की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने पारस्परिक विश्वास और समझदारी, समान हितों तथा साझा मूल्यों, लोकतंत्र तथा विधि के शासन पर आधारित विस्तृत रणनीतिक साझेदारी को क्रियान्वित करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दोनों मंत्रियों ने रक्षा अभ्यासों तथा दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान की विविधता का स्वागत किया और भारत-ऑस्ट्रेलिया पारस्परिक लॉजिस्टिक सहायता व्यवस्था के माध्यम से संचालन सहयोग प्रारंभ करने पर बातचीत की।

दोनों मंत्रियों ने रक्षा अनुसंधान तथा सामग्री सहयोग पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस समूह की बैठक ऑस्ट्रेलिया में इस वर्ष के अंत में होगी। संयुक्त कार्य समूह रक्षा उद्योगों के बीच संबंधों को बढ़ाने की महत्वपूर्ण व्यवस्था है।

दोनों मंत्रियों ने सप्लाई चैन की लचीलता बढ़ाने तथा अपने रक्षा बलों को क्षमता प्रदान करने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के रक्षा औद्योगिक आधारों के बीच अवसरों को बढ़ाने के उपायों पर सहमति व्यक्त की।

दोनों मंत्रियों ने ऐतिहासिक जनरल रावत युवा अधिकारी आदान-प्रदान कार्यक्रम 2022 के उत्तरार्ध में प्रारंभ करने की योजना का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की घोषणा 21 मार्च, 2022 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वर्चुअल शिखर बैठक के दौरान की गई थी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री ने रणनीतिक चुनौतियों तथा क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और समृद्ध तथा नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्यों को दोहराया। दोनों मंत्रियों ने अक्टूबर, 2022 में ऑस्ट्रेलिया के भारत-प्रशांत प्रयास अभ्यास में भारत की भागीदारी को लेकर आशा जताई। ■

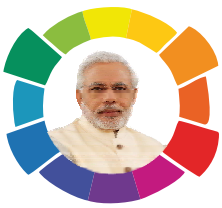

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

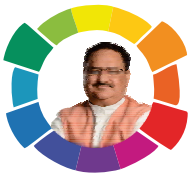

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

गांधीनगर (गुजरात) में अपनी मां श्रीमती हीराबेन मोदी से उनके सौवें वर्ष में प्रवेश करने पर 18 जून को आशीर्वाद लेते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वडोदरा (गुजरात) में 18 जून को 'गुजरात गौरव अभियान' के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में 16 जून को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया

बेंगलुरू (कर्नाटक) में 20 जून को BASE यूनिवर्सिटी (नया कैंपस) के छात्रों और शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को 44वें शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले का शुभारंभ किया

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh

kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह